dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक दीन बन्धु

राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, सोमवार
12.05.2025
वर्ष : 13
अंक : 150
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

पाकिस्तान घुटने के बल आ चुका है, सीएम मोहन यादव बोले- निकालेंगे तिरंगा रैली

भोपाल। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया है। इस बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, आज का समय पूरे देश और देश के प्रत्येक नागरिक के लिए हमारी सरकार पर, प्रधानमंत्री पर और सभी सेनाओं पर गर्व करने का मौका है। 22 अप्रैल के कायराना हमले पर जो प्रधानमंत्री ने कहा हम किसी को छेड़ते नहीं है कोई अगर हमको छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है पाकिस्तान घुटने के बल आ चुका है। आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों की जो हत्या की, उस कायराना हरकत को आतंकवादियों ने अंजाम दिया, लेकिन उसके पीठ पर पाकिस्तान बैठा हुआ है। सीएम मोहन यादव ने कहा, पीएम मोदी की यह प्रतिबद्धता है। हमने यह तीसरी बार एहसास किया है। पहली बार जब सर्जिकल स्ट्राइक करके दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारा, तो बिना किसी नुकसान के हमारे सैनिक सकुशल वापस लौट आए।

ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी का आदेश वहां से गोली चलेगी, तो यहां से गोला चलेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी ने सेना को आदेश दिया कि पाकिस्तान से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा। सरकार से जुड़े सूत्रों ने न्यूज एजेंसी क्ष्ळ्ढ को बताया कि, पाकिस्तान की हर कार्रवाई का भारत कड़ा जवाब देगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का एक्शन अब सामान्य बात हो जाएगी। भारत कश्मीर मुद्दे में मध्यस्थता को कभी स्वीकार नहीं करेगा। अब केवल एक ही मामला बचा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी। बात करने के लिए और कुछ नहीं है। पहलगाम हमले के बाद, भारत ने नई दिल्ली से संपर्क करने वाले देशों से कहा था कि वह पाकिस्तानी क्षेत्रों में आतंकी ढांचे पर हमला करेगा। भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के ष्ठत्रस्ह्र को बताया था कि उसने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे पर हमला किया है, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। न्यूज एजेंसी ने सोर्स के हवाले से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, हम नए सामान्य दौर में हैं। दुनिया को इसे स्वीकार करना होगा। पाकिस्तान को इसे स्वीकार करना होगा, यह हमेशा की तरह नहीं चल सकता।

मिलिट्री, एयर और नेवल ऑपरेशंस के महानिदेशक की प्रेस ब्रीफिंग

सेना ने कहा : पाक ने सीजफायर तोड़ा तो मिलेगा तगड़ा जवाब

ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन के 40 सैनिक और अफसर मारे, 100 से ज्यादा आतंकी ढेर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और PoK स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे। 7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया। इसके बाद हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए।

TRF पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश तेज

टीआरएफ पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास कुछ समय से चल रहे हैं. भारत ने मई और नवंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को अर्ध-वार्षिक रिपोर्टों में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के लिए एक प्रॉक्सी के रूप में टीआरएफ की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान की थी. इससे पहले दिसंबर 2023 में भारतीय पक्ष द्वारा निगरानी टीम को टीआरएफ जैसे समूहों के जरिए से जम्मू और कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के संचालन के बारे में सूचित किया गया था.

युवाओं को रोजगार देकर स्वावलम्बी प्रदेश बनाना सरकार की प्राथमिकता : सीएम यादव

इंदौर में महापौर मेगा रोजगार मेला को मिला बेहतर प्रतिसाद

150 से अधिक कंपनियों ने दिए रोजगार के अवसर

लगभग 20 हजार युवाओं ने कराया

इंदौर ■ विशेष संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे राज्य का युवा सक्षम, योग्य और आत्म-निर्भर बने यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि रोजगार और स्वरोजगार देकर स्वावलम्बी समाज और स्वावलम्बी प्रदेश बनाया जाये। इस दिशा में हम तेजी से लगातार आगे बढ़ रहे है। प्रदेश में हर क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिये तेजी से प्रयास किये जा रहे है, चाहे वह परम्परागत दुग्ध पालन का क्षेत्र हो या आधुनिक आईटी का क्षेत्र। प्रदेश में रोजगार आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिये इंडस्ट्री कॉन्क्लेव व्यापक स्तर पर आयोजित की गई। इसके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज रविवार को दशहरा मैदान, इंदौर में आयोजित महापौर मेगा रोजगार मेला के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोजगार मेले को मिले बेहतर प्रतिसाद की सराहना की और कहा कि ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से सरकार और प्रशासन युवाओं को अवसर, मंच और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। उन्होंने युवाओं को रोजगार देने की दिशा में इंदौर जिले में हर एक पंचायत में स्थापित किये गये उद्योग लगाने के अभियान की भी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि इंदौर जिले में अभियान चलाकर सभी पंचायतों में उद्योग स्थापित कराने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से कहा कि आज का युग कौशल का है। डिग्री के साथ व्यवहारिक ज्ञान और संवाद कौशल भी ज़रूरी हैं। मुझे गर्व है कि इंदौर ने इस दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे इन अवसरों का लाभ उठाएँ और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-पाकिस्तान

मेले में उमड़ा युवाओं का सैलाब

इंदौर नगर निगम द्वारा आयोजित महापौर मेगा रोजगार मेला में युवाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मेले में 150 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया और 10 हजार से अधिक रोजगार अवसर प्रस्तुत किये। इसके विरुद्ध 20 हजार युवाओं ने अपना पंजीयन कराया।

भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियाँ

पेटीएम, एयरटेल, ज़ोमेटो, सोनी इंडिया, डॉ. रेड्डी ग्रुप, टॉरस प्राइवेट लिमिटेड, पटेल मोटर्स, एनआईआईटी लिमिटेड, आईटी, रिटेल, ई-कॉमर्स, फार्मा, कंसल्टेंसी, फिनटेक, सेल्स, अकाउंटिंग एवं मार्केटिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनियाँ शामिल हुई।

ऑन-द-स्पॉट चयन एवं करियर गाइडेंस

कई कंपनियों ने योग्यता के आधार पर मौके पर ही चयन की प्रक्रिया अपनाई। विशेषज्ञों द्वारा सीवी लेखन, इंटरव्यू टिप्स और स्किल डेवलपमेंट पर प्रशिक्षण कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं। नगर निगम, जिला प्रशासन और अन्य विभागों के समन्वय से यह मेला सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

शिक्षाविदो और उद्यमियों का सम्मान

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू और उद्यमियों का सम्मान किया। इनमें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री राकेश सिंघई, मेडिकेप्स के श्री दिलीप पटनायक, ओरियेंटल विश्वविद्यालय के डॉ. सुनील सोमानी, सेज विश्वविद्यालय के डॉ. प्रशांत जैन, एनीबिसेंट शैक्षणिक संस्था के श्री मोहित यादव, ईकोबिल्ड के श्री चिराग जैन, शिक्षाविद डॉ. जयंतीलाल भण्डारी और प्रोफेसर श्री अमित पहारे शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित हितग्राहियों को हितलाभ के प्रमाण-पत्र का वितरण कर चयनित युवाओं को नियुक्ति-पत्र सौंपे और कौशल विकास तथा रोजगार पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया।

ब्रीफ न्यूज

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद अभियान तेज, स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान तेज हो गया है। इसी कड़ी में राज्य जांच एजेंसी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दक्षिणी कश्मीर के 20 स्थानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी कर एक बड़े आतंकी स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है, साथ ही कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी सहयोगियों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स पर लगातार नजर रख रही है। तकनीकी खुफिया जानकारी से पता चला था कि कश्मीर में कई स्लीपर सेल सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के संपर्क में थे। ये सेल सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी को व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग ऐप के जरिए पाकिस्तान पहुंचाने में शामिल थे।

16 मई से फिर शुरू हो सकता है आईपीएल, 4 वेन्यू पर मैच संभव

नई दिल्ली। आईपीएल 16 मई से फिर शुरू हो सकता है। मौजूदा सीजन के बचे मुकाबले चार वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। फाइनल मुकाबला 30 मई को मुमकिन है। नया शेड्यूल जल्द जारी होगा। BCCI के एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा- लीग के बाकी मुकाबले अगले हफ्ते से शुरू होंगे। इन्हें चार वेन्यू पर कराया जाएगा। जल्द ही वेन्यू फाइनल किए जाएंगे। लीग बेंगलुरु और लखनऊ मैच के साथ फिर से शुरू होगी। वहीं, PTI ने एक सूत्र के हवाले से लिखा कि फाइनल मैच कोलकाता से बाहर हो सकता है। पिछले शेड्यूल में प्लेऑफ के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाने थे। फाइनल मैच भी कोलकाता में होना था।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने एक्स अकाउंट प्राइवेट किया

नई दिल्ली. भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपना एक्स अकाउंट प्राइवेट कर लिया है। इसका मतलब है कि केवल वेरिफाइड यूजर्स ही उनका अकाउंट देख सकते हैं, या उनके पोस्ट्स पर कोई कमेंट कर सकते हैं। दरअसल, 10 मई को भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर के ऐलान के बाद कई यूजर्स उनके पोस्ट्स पर ऑनलाइन एब?यूज कर रहे थे। यहां तक कि उनके परिवार के साथ उनकी पुरानी तस्वीरें शेयर हो रही थीं जिसके साथ उनकी बेटी का मोबाइल नंबर और कई तरह के कमेंट्स किए जा रहे थे।

भारत ने पाकिस्तान के चार एयरबेस को किया तबाह

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में एयर स्ट्राइक कर नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह से तबाह कर दिया था. उसके बाद पाकिस्तान की हिमाकत कम नहीं हुई और उसने भारत के सीमावर्ती इलाकों में न केवल गोलाबारी की, बल्कि ड्रोन और मिसाइल अटैक करने की कोशिश की, जिसे भारत के एयरडिफेंस सिस्टम ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया. पाकिस्तान की हिमाकत के जवाब में 10 मई की सुबह भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस को निशाना बनाया और उन्हें भारी क्षति पहुंचाई, हालांकि भारत द्वारा पहले क्षति की बात कही जा रही थी, लेकिन अब इन हमलों की सैटेलाइट तस्वीरें सामने आई है, जो क्षति की पुष्टि कर रही है. भारत द्वारा 10 मई को किए गए सटीक हवाई हमलों में पाकिस्तान वायुसेना के चार प्रमुख एयरबेसों को गंभीर क्षति पहुंची है. भारतीय निजी सैटेलाइट फर्म KAWASPACE और चीनी फर्म MizhaVision द्वारा जारी की गई उच्च-रिजॉल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी ने हमलों के प्रभाव की पुष्टि की है. इन हमलों में भारत की ओर से एयर-लॉन्च्ड क्रूज मिसाइल, संभवतः ब्रह्मोस, का इस्तेमाल किया गया.

पाकिस्तान से तनाव के बीच लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का उद्घाटन

राजनाथ सिंह बोले : दुश्मन को इस मिसाइल की धमक रावलपिंडी तक सुनाई

लखनऊ ■ एजेंसी

लखनऊ में आज ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का शुभारंभ किया गया. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वर्चुअल तरीके से उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए. इसी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए. बता दें कि 80 हेक्टेयर में बनाई गई ब्रह्मोस मिसाइल की प्रोडक्शन यूनिट 300 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुई है. इस यूनिट का निर्माण 3.5 साल में बनकर तैयार हुआ है. लखनऊ के इस यूनिट में जो ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जाएगी, उनकी मारक क्षमता 290 से 400 किलोमीटर तक की होगी. ये मिसाइल ध्वनि से 3 गुना स्पीड यानी 2.8 mac की स्पीड से टारगेट पर अटैक करेंगी. बता दें कि इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की धमक रावलविंडी तक पहुंची है. बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइल भारत-रूस का ज्वाइंट वेंचर है. लखनऊ में इसका प्रोडक्शन आज से शुरू होगा. लखनऊ में शुरू हो रहे एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी से एक साल में 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण होगा और 100 से 150 मिसाइल नेक्स्ट जेनरेशन की बनेगी.

स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा इंदौर में होगी स्थापित

मुख्यमंत्री यादव ने किया भूमि-पूजन

इंदौर ■ विशेष संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में इंदौर के सिरपुर स्थित देवी अहिल्या सरोवर उद्यान में स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्थापना के लिए भूमि-पूजन किया। महापुरुषों के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। यह भव्य प्रतिमा स्वामी जी की शिक्षाओं और दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में संत परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और उनमें से स्वामी विवेकानंद विलक्षण संत थे। उन्होंने निराकार ईश्वर के उपासक के रूप में मानवता की सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि ÷मैं देखूंगा तो ही मानूंगा÷ जो उनके तर्कशील और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शरीर के माध्यम से जीवन सेवा का मंत्र दिया और आत्मनिर्भरता का आशीर्वाद प्राप्त कर मृत्यु पर विजय प्राप्त की। उन्होंने दुर्बलता और हीनता को जीवन का हिस्सा मानने से इनकार करते हुए इसे मृत्यु के समान बताया। उनका विश्वास था कि साहस, सामर्थ्य और आत्मबल के सहारे व्यक्ति सभी कमजोरियों को पार कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक था। शिकागो धर्म संसद में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसने विश्व पटल पर भारत की संस्कृति और अध्यात्म का ध्वज लहराया। उन्होंने जीवन को अंदर से बाहर की ओर विकसित करने का मंत्र दिया और कर्म को ही साधना बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंदजी के सिद्धांत और विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए, ताकि समाज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यह मूर्ति स्थापना इस दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

सीजफायर पर कांग्रेस ने खोला मोर्चा, संसद के विशेष सत्र की मांग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष के खत्म होने और सीजफायर के ऐलान के बाद कांग्रेस अब मोदी सरकार पर हमलावर हो गई है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के विशेष सत्र के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है. इससे पहले जयराम रमेश और सचिन पायलट ने भी कश्मीर के मसले में अमेरिका के हस्तक्षेप पर आश्चर्य जताया. पायलट ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए.÷ साथ ही पीएम मोदी की अगुवाई में सर्वदलीय बैठक भी बुलाया जाना चाहिए. दिल्ली में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सीजफायर को लेकर पीसी करते हुए कहा कि सबसे पहले पिछले कुछ दिनों में जिन भारतीय नागरिकों की खासकर सरहद पर मौत हुई है, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं. भारतीय सेनाओं का, फौज के पराक्रम और उनके शौर्य को सलाम करता हूं, भारतीय सेना ने इस संघर्ष में दिखा दिया है कि वो बेस्ट है.

दमोह में ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, पति-पत्नी और बेटी की मौत

दमोह ■ ब्यूरो

दमोह-छतरपुर स्टेट हाईवे पर मारा गांव के पास एक ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी की मौके पर उनकी 17 साल की बेटी की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर करीब 1 बजे की है। पुलिस के मुताबिक किशनगंज गांव के कड़ोरी पटेल (45) अपनी पत्नी यशोदा (40) और बेटी आरती (17) के साथ शनिवार को हठरी गांव में एक शादी समारोह में गए थे। रविवार दोपहर जब वे बाइक से घर लौट रहे थे, तब मारा गांव के पास ये हादसा हुआ। घटना के बाद ट्रक लेकर ड्राइवर भाग निकला। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने नरसिंहगढ़ पुलिस चौकी और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने कड़ोरी और यशोदा को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल आरती को आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

भोपाल-इंदौर में बारिश, कई जिलों में रात में अलर्ट, गिरे ओले

भोपाल ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश में रविवार को दोपहर के बाद फिर मौसम बदल गया। इस दौरान भोपाल के कोलार इलाके समेत कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। मंदसौर, शहडोल, इंदौर, छतरपुर, सागर, खरगोन और अशोकनगर में तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। अशोकनगर में ओले गिरे। आंधी के कारण खरगोन में कई स्थानों पर टीन शेड उड़ गए, जबकि कुछ जगह पेड़ उखड़े हैं। सीजन में ये अब तक की सबसे तेज आंधी थी। मौसम विभाग ने कई जिलों में रात में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के दौरान विदिशा, सागर, पन्ना, रायसेन, रीवा, मऊगंज, सिंगरौली, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, रतलाम, बैतूल, कटनी, सतना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर में आकाशीय बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

ब्रीफ न्यूज़

प्रदेश में निर्मित हो रहे है 1012 अमृत सरोवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृव में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन महाअभियान चलाया जा रहा है। इस महाअभियान की शुरूआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से की थी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल प्रदेश में जलसंरचनाओं के संरक्षण के लिए प्रदेश में नदियों के उदगम स्थलों का दौरा कर रहे हैं। अभियान तीव्र गति से अपने लक्ष्यों को पूर्ण करने की ओर बढ़ रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत प्रदेश में 1 हजार अमृत सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य रखा था। अभियान के 41 दिवस में ही निर्धारित लक्ष्य से अधिक प्रदेश में 1012 अमृत सरोवरों को बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। अभियान में कूप रिचार्ज पिट, बावड़ी, खेत-तालाब, अमृत सरोवर, बोरी बंधान, चेकडैम सहित अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ पुराने जल स्त्रोतों की सफाई, नदियों की जल धाराओं को जीवित के लिए गेबियन संरचना, कंटूर ट्रेंच जैसे जल संरक्षण संरचनाओं का कार्य किया जा रहा है। अमृत सरोवरों से बढ़ेगा भू-जल स्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में अमृत सरोवर बन जाने से प्रदेश का भू-जल स्तर बढ़ेगा। इससे जल संकट की समस्या से निजात मिलेगी। गर्मियों में कुओं, हैंडपंपों और ट्यूबवेलों का जलस्तर कम नहीं होगा।

पिकनिक मनाने गये आयुर्वेद चिकित्सालय के छात्र की डूबने से मौत

भोपाल। शहर के कमला नगर थाना इलाके में प्रेमपुरा घाट के पास भदभदा डेम पर पिकनिक मनाने गये पंडित खुशीलाल आयुर्वेद चिकित्सालय में इंटर्न कर रहे एक छात्र की डूबने से मौत हो गई है। मृतक तालाब में नहाने उतरा था, इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया। गोताखोरों ने काफी मशक्क्त के बाद छात्र का शव तालाब से निकाला जिसे पुलिस ने पीएम के लिए भेज दिया है। थाना पुलिस के अनुसार मूल रुप से भिंड जिले का रहने वाला विवेक शर्मा पिता छोटेलाल शर्मा (31) बीएएमएस की पढ़ाई के बाद पंडित खुशीलाल आयुर्वेदिक महाविद्यालय) में इंटर्नशिप कर रहा था। विवेक अपने दोस्तो के साथ वन विहार के पास तालाब किनारे पार्टी करने गया था। मौज-मस्ती के दौरान वह तालाब में नहाने उतर गया और अचानक गहरे पानी में जाने के बाद बाहर नहीं आया। उसके साथ गये दोस्त धीरज चौधरी ने इसकी खबर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने निगम के गोताखोरो और एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाकर तालाब में उसकी सर्चिंग कराई, लेकिन कई घंटो की सर्चिंग के बाद भी जब वह नहीं मिला तब अंधेरा होने पर सर्चिग बंद कर दी गई। 24 घंटे बाद अगले दिन देर शाम को विवेक का शव पानी में नजर आने पर बाहन निकाला गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया। हादसे की खबर मिलने पर छात्र के परिजन भिंड से भोपाल आ गए थे, रविवार को परिजनों की मौजूदगी में शव का पीएम कराने के बाद उसे परिवार वालो को सौपं दिया गया। पुलिस को उसके दोस्तो ने बताया की उसे गहरे पानी में उतरने से मना किया था, लेकिन वह नहीं माना और नहाने के लिये चला गया।

मामूली विवाद में ढाबे के कुक ने धारदार हथियार से की हेल्पर की हत्या

भोपाल। खजूरी थाना इलाके में स्थित 11 मील भोपाल बायपास पर एक ढाबे के कुक ने धारदार हथियार से वार कर हेल्पर की हत्या कर दी। घटना शनिवार शाम की है। बताया गया है की दोनों के बीच मामूली बात को लेकर कहासूनी हो गई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया की 11 मील भोपाल बायपास पर बने वन बाईट रेस्टोरेटं ढाबे पर राजाबाबू नागर कुक का काम करता है। शनिवार शाम करीब 4 बजे दोनो काम कर रहे थे, राजा खाना बना रहा था, इसी दौरान उसका विवाद ढाबे पर काम करने वाले हेल्पर शब्बीर खॉन पिता नसरुददीन से हो गया था। कहासूनी से शुरू हुआ विवाद गाली गलौच तक पहुंच गया। विवाद बढ़ने पर गुस्साये राजा और शब्बीर में मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान राजा नागर ने धारदार करछी से शब्बीर के सिर पर घातक वार कर दिया। सिर पर जानलेवा हमला होने से उसकी मौत हो गई। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है, कि मृतक शब्बीर काम करते हुए ढाबे पर ही रहता था, उसके कोहेफिजा इलाके में रहने की जानकारी सामने आई है, जबकि आरोपी राजा नागर खजूरी स्थित बकानिया में ही रहता है। पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

युवक ने घर के पीछे लगे पेड़ पर लगाई फांसी

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने इलाके में रहने वाल एक युवक का शव उसके घर के पीछे लगे पेड़ पर फंदे पर लटका हुआ बरामद किया है। पुलिस ने बताया की वार्ड नंबर-2 वसई में रहने वाला बबलेश कुशवाह (40) प्राइवेट काम करता था। शुक्रवार रात उसने अपने घर के पीछे लगे पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय घर में बबलेश का 18 साल का बेटा था। बाद में बेटे ने पिता का शरीर फंदे पर लटका देख पड़ोसियों की मदद से उसे फंदे से उतारकर अस्पताल पहुचांयगा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। जॉच टीम का कहना है कि फिलहाल आत्महत्या का सही कारण सामने नहीं आ सका है, शुरूआती जॉच में पता चला है कि मृतक बबलेश को शराब पीने की लत थी। पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दपंती को रौंदा, पत्नी की मौत

भोपाल। बैरसिया थाना इलाके में गुरुकुल कॉलेज के पास रात के समय तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में पत्नि की मौत हो गई। महिला अपने पति के साथ मायके जा रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार ग्राम जूनापानी, गुनगा में रहने वाले जगदीश कुशवाह खेती-किसानी करते हैं। उनकी पत्नी दीपा कुशवाह (27) का मायका ग्राम भैंसोदा में है। शुक्रवार रात करीब 9 बजे जगदीश अपनी पत्नी को लेकर उसके मायके जा रहे थे। रास्तें में गुरुकुल कॉलेज के पास अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पीछे बैठी पत्नि दीपा कुशवाह उछलकर सडक पर जा गिरीं और दूर तक घिसटती चली गई। घटना में उनके सिर में घातक चोट आई थीं। नाजूक हालत में उन्हें इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया थ, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर पुलिस अज्ञात वाहन और आरोपी चालक की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है।

भारतीय रेल में पहली बार, रेल संरक्षा को मिला नया आयाम

भोपाल मंडल के निशातपुरा यार्ड में शुरू हुई नई सिग्नल प्रणाली

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने रेल सिग्नल प्रणाली को और अधिक सुरक्षित और तेज बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। गौरतलब है कि भारतीय रेल में पहली बार, भोपाल मंडल के निशातपुरा यार्ड में ऐसी तकनीक शुरू की गई है, जिसमें सिग्नल ऑपरेशन अब तारों की बजाय ऑप्टिकल फाइबर के जरिए किया जाएगा। अब तक जो सिग्नल प्रणाली चल रही थी, उसमें अलग-अलग तारों के जरिए सिग्नलों को कंट्रोल किया जाता था। पर इसमें समय लगता था, और कई बार खराबी की संभावना भी रहती थी। यह नवीनतम तकनीक ऑप्टिकल फाइबर केबल पर

आधारित है, जो पारंपरिक संकेत प्रणाली की तुलना में अधिक तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय मानी जा रही है। नई तकनीक में लैम्प आउटपुट मॉड्यूल नाम का एक यंत्र लगाया गया है, जो सीधे कंट्रोल रूम से सिग्नल तक ऑप्टिकल फाइबर के जरिए सिग्नल भेजता है।

यह क्या है: ● यह एक नई सिग्नल तकनीक है, जिसमें रेलवे ट्रैक पर लगे सिग्नल अब फाइबर लाइन से सीधा कंट्रोल होंगे।

● इसमें कोई भारी वायरिंग नहीं होगी, सब कुछ फाइबर के जरिए होगा, जिससे सिग्नल तेजी से और बिना रुकावट के काम करेगा।

इसका फायदा क्या है?

● सिग्नल कभी ख्ब्लैंकख् नहीं होंगे, यानी अगर एक सिग्नल गड़बड़ करे तो भी ट्रेन को सिग्नल का आस्पेक्ट दिखाई देगा।

● ट्रेनें ज्यादा सुरक्षित और समय पर चलेंगी।

● सिस्टम के साथ स्वचालित पंखा भी जुड़ा है जो जरूरत पड़ने पर खुद चालू होकर मशीन को गर्म होने से बचाता है।

● अगर एक लाइन खराब हो जाए तो दूसरी फाइबर लाइन से काम चलता रहेगा झ यानी सिस्टम कभी नहीं रुकेगा।

● सिग्नल का रख-रखाव आसान और कम खचीर्ला होगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस तकनीक की शुरूआत र/रल्-15 और र/रल्-16 नाम के दो सिग्नलों पर निशातपुरा यार्ड में की गई है। भोपाल से बीना के मध्य रेलखंड पर इस तकनीक को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। योजना के अनुसार, जून 2026 तक पूरे रेलखंड में यह उन्नत प्रणाली सक्रिय कर दी जाएगी। यह तकनीक आगे चलकर देशभर की रेलवे लाइनों को और सुरक्षित और आधुनिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

अब ट्रेनों की लेटलतीफी होगी खत्म

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने रेलवे सिग्नलिंग में नई तकनीक की शुरूआत की है। भोपाल मंडल के अंतर्गत आने वाले निशातपुरा यार्ड में देश की पहली ऑप्टिकल फाइबर आधारित सिग्नल प्रणाली को शुरू किया गया है। यह नई तकनीक अब पुराने भारी-भरकम तारों से चलने वाली प्रणाली की जगह ले रही है। इसके तहत अब सिग्नल सीधे कंट्रोल रूम से ऑप्टिकल फाइबर के जरिए संचालित होंगे। पहले रेलवे सिग्नलिंग में बड़ी मात्रा में वायरिंग और मैनुअल हस्तक्षेप की जरूरत होती थी। इससे न केवल समय बर्बाद होता था, बल्कि तकनीकी खराबी की संभावना भी बनी रहती थी। नई तकनीक से अब ये परेशानियां नहीं होंगी। निशातपुरा यार्ड में देश की पहली ऑप्टिकल फाइबर आधारित सिग्नल प्रणाली को शुरू किया गया। सुरक्षित और रियल-टाइम कंट्रोल मिलेगा इस नई प्रणाली में सिग्नल पोस्ट पर लैम्प आउटपुट मॉड्यूल नामक उपकरण लगाया गया है, जो सीधे कंट्रोल रूम से ऑप्टिकल फाइबर के जरिए जुड़ा होता है। अब सिग्नल को ऑपरेट करने के लिए भारी वायरिंग की जरूरत नहीं होगी।

भोपाल मंडल के निशातपुरा में पहली बार शुरू हुई नई सिग्नल प्रणाली

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने रेल सिग्नल प्रणाली को और अधिक सुरक्षित और तेज बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। गौरतलब है कि भारतीय रेल में पहली बार, भोपाल मंडल के निशातपुरा यार्ड में ऐसी तकनीक शुरू की गई है, जिसमें सिग्नल ऑपरेशन अब तारों की बजाय ऑप्टिकल फाइबर के जरिए किया जाएगा। इस नई प्रणाली में सिग्नल पोस्ट पर लैम्प आउटपुट मॉड्यूल नामक उपकरण लगाया गया है, जो सीधे कंट्रोल रूम से ऑप्टिकल फाइबर के जरिए जुड़ा होता है। अब सिग्नल को ऑपरेट करने के लिए भारी वायरिंग की जरूरत नहीं होगी। हर सिग्नल को अब तेज, सुरक्षित और रियल-टाइम कंट्रोल मिलेगा, जिससे संचालन अधिक विश्वसनीय होगा। सिग्नल कभी ब्लैंक नहीं होंगे, यानी अगर एक सिग्नल गड़बड़ करे तो भी ट्रेन को सिग्नल का आस्पेक्ट दिखाई देगा। ट्रेनें ज्यादा सुरक्षित और समय पर चलेंगी। सिस्टम के साथ स्वचालित पंखा भी जुड़ा है जो जरूरत पड? पर खुद चालू होकर मशीन को गर्म होने से बचाता है। अगर एक लाइन खराब हो जाए तो दूसरी फाइबर लाइन से काम चलता रहेगा - यानी सिस्टम कभी नहीं रुकेगा। सिग्नल का रख-रखाव आसान और कम खचीर्ला होगा। अभी तक थी यह व्यवस्था अब तक जो सिग्नल प्रणाली चल रही थी, उसमें अलग-अलग तारों के जरिए सिग्नलों को कंट्रोल किया जाता था। पर इसमें समय लगता था, और कई बार खराबी की संभावना भी रहती थी। यह नवीनतम तकनीक ऑप्टिकल फाइबर केबल पर आधारित है, जो पारंपरिक संकेत प्रणाली की तुलना में अधिक तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय मानी जा रही है। नई तकनीक में लैम्प आउटपुट मॉड्यूल नाम का एक यंत्र लगाया गया है, जो सीधे कंट्रोल रूम से सिग्नल तक ऑप्टिकल फाइबर के जरिए सिग्नल भेजता है। ऑप्टिकल फाइबर केबल एक नई सिग्नल तकनीक है।

दो पक्षो की रंजिश के चलते आधी रात को जमकर हुआ बवाल

तीन दो पहिया वाहन जलकर राख, पथराव कर कई कारों के कॉच फोड़े

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

अवधपुरी थाना इलाके के बीडीए सेक्टर में बीती रात दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। झगड़ा इतना बढ़ा की दोनो और के पक्षो ने तीन दो पहिया वाहनो को आग लगा दी, वही पथराव कर कई कारों के कॉच फोड़ दिये। मामला बढ़ता देख मौके पर पहुंची चार थानों की पुलिस टीम ने मोर्चा संभाला। सूत्रो के मुताबिक लड़ाई का कारण अवैध तरीके से शराब बेचने को लेकर इलाके में अपना वर्चस्व जमाने को लेकर बताया जा रहा है। इस बात को लेकर दोनो पक्षो के बीच बीते कई महीने से रंजिश चली आ रही है। इसी रजिंश के चलते शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात दोनो और के लोग आमने-

सामने आ गये और जमकर बवाल मचा। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक थाना इलाके में स्थित बीडीए कॉलोनी के के एक नंबर सेक्टर में रहने वाले देशराज मकोरिया और उसके बेटे घर से अवैध तरीके से शराब बेचने का काम करते हैं। इसी इलाके में दूसरा आरोपी गुड्डू बाथम भी अवैध तरीके से शराब बेचने का काम करता है। अवैध रुप से शराब बेचने को लेकर दोनों ही गुटों के बीच कई महीनो से रंजिश चली आ रही है। और दोनों गुट एक-दूसरे के खिलाफ मुखबिरी करके शराब भी पकड़वाते हैं। वहीं थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय गायत्री घोंसले ने बताया की वह पूर्व में बीडीए सेक्टर में रहती थी। कुछ समय पहले उसने अपना घर बदल लिया है। बीडीए कॉलोनी में उसकी बड़ी बहन देवकी अब भी रहती है। गायत्री के पति का बीडीए कालोनी में रहने वाले अमन मकोरिया और उसके परिवार से झगड़ा हो गया था। इसके बाद से ही दोनों परिवारो के बीच तनातनी चल रही थी। बहन देवकी के घर में पारिवारिक कार्यक्रम होने पर गायत्री और उसके दो भाई बीते दिन उसके घर मिलने के लिए पहुंचे थे।

एम्स भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स सप्ताह के तहत

कार्य-जीवन संतुलन एवं तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान का आयोजन

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 के उपलक्ष्य में 5 मई से 12 मई तक एम्स भोपाल में आयोजित नर्स सप्ताह समारोह की श्रृंखला में कार्य-जीवन संतुलन और तनाव प्रबंधन विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट डॉ. अनुराधा कुशवाहा ने नर्सिंग स्टाफ एवं छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि नर्सिंग जैसे अत्यंत व्यस्त एवं सेवा-प्रधान पेशे में मानसिक संतुलन बनाए रखना क्यों आवश्यक है। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि दैनिक कार्यों के तनाव को किस प्रकार सकारात्मक ऊर्जा में बदला जा

सकता है तथा व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए। इस आयोजन का उद्देश्य नर्सिंग कर्मियों को एक ऐसा मंच प्रदान करना था जहाँ वे अपने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं को समझ सकें, आत्म-चिंतन कर सकें और सहयोग व समझ की भावना को बढ़ावा दे सकें। इस व्याख्यान में नर्सिंग स्टाफ और छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और जीवन में उपयोगी कई व्यवहारिक सुझाव प्राप्त किए। इस सत्र को सफल बनाने में श्री राजरत्न गुप्ता (असिस्टेंट प्रोफेसर), श्री अखिल टी. (नर्सिंग अधीक्षक) और श्री कपिल कुमार का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, ह्यनर्सिंग स्टाफ हमारे स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ हैं। उनका मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम उन्हें स्वयं की देखभाल के महत्व को समझने और सकारात्मक माहौल में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

सैन्य संघर्ष के बीच आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं हेतु हाई अलर्ट पर एम्स भोपाल

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य संघर्ष की गंभीर पृष्ठभूमि में, एम्स भोपाल ने नागरिकों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध कराने हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। यह बैठक कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें सभी विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, अनुभाग प्रभारियों एवं संबंधित अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। राष्ट्रीय सेवा में अग्रणी संस्थान के रूप में एम्स भोपाल ने तत्काल प्रभाव से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिससे किसी भी आपदा की स्थिति में संस्थान की तैयारी पूरी तरह से सुनिश्चित की जा सके। प्रो. सिंह द्वारा जारी तत्काल कार्यालय आदेश के तहत संस्थान के सभी विभागों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इस आदेश के अंतर्गत विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में कार्यरत और गैर-कार्यरत वेंटिलेटर्स, आईसीयू एवं ऑपरेशन थियेटर की कार्यशीलता का पुनर्मूल्यांकन किया गया है। साथ ही, रक्त की आवश्यकता को देखते हुए विभिन्न रक्त समूहों के ब्लड बैग्स की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है तथा रक्तदान शिविरों की योजना भी बनाई गई है। ट्रॉमा, सर्जरी, एनेस्थीसिया, फामेर्सी सहित सभी विभागों से आपातकालीन दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की जानकारी एकत्र कर उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। नर्सिंग कॉलेज द्वारा प्रशिक्षित बीएससी/एचएसएम ड्यूटी स्टाफ की तत्परता भी सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही, साइबर सुरक्षा एवं डाटा रिकवरी की दृष्टि से संस्थान ने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (उऊअउ) के साथ समन्वय स्थापित किया है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी संभावित साइबर हमले की स्थिति में एम्स भोपाल का डाटा सुरक्षित रहे और स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी बाधा के जारी रह सकें। इन तैयारियों के साथ-साथ संस्थान ने सभी संकाय कर्मचारियों की।

लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर कुल 17130 गामलों का हुआ निराकरण

59 करोड़ 68 लाख रुपए से अधिक की राशि पारित

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को आयोजित लोक अदालत में कुल निराकृत प्रकरणों की संख्या 17130, लंबित टेकन अप प्रकरणों की कुल संख्या 2775, निराकृत लंबित प्रकरणों की कुल संख्या 2258, प्री-लिटिगेशन टेकन अप प्रकरणों की कुल संख्या 16087, निराकृत प्री-लिटिगेशन प्रकरणों की कुल संख्या 14872,चेक बाउंस से संबंधित निराकृत कुल प्रकरणों की संख्या 423,मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित निराकृत कुल प्रकरणों की संख्या 308, आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों की संख्या 554, पारिवारिक प्रकरणों की संख्या 116, बैंक रिकवरी के प्रकरणों की संख्या 396, व्यवहार वाद के प्रकरणों की संख्या 925, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों की संख्या 1369, श्रम विभाग

से संबंधित प्रकरणों की संख्या 5, यातायात नियमों के उल्लघन संबंधी ई-टैफिक चालान 61,जलकर एवं सम्पपति कर संबंधी प्रकरणों की संख्या 12655 अन्य प्रकरणों की संख्या 318 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में अभी तक प्राप्त आकंड़ो के अनुसार कुल निराकृत प्रकरणों की संख्या 17130, नेशनल लोक अदालत में कुल अवार्ड राशि 42,53,13,166, नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रीलिटिगेशन के ट्रैफिक ई-चालान जमा करने की सर्वप्रथम शुरूआत की गई जिसे प्रदेश के सभी महानगरों में ट्रैफिक ई चालान के प्रीलिटिगेशन प्रकरण नेशनल लोक अदालत में रखे जाने लगे। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, सचिव श्री सुनीत अग्रवाल एवं न्यायाधीशगण, पुलिस उपायुक्त श्रीमती श्रृद्धा तिवारी, अपर कलेक्टर श्रीमती निधि चौकसे, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री दीपक खरे एवं अन्य कार्यकारिणीय सदस्यों, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री बी.एम. सिंह, अधिवक्तागण की उपस्थिति में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया एवं लोक अदालत का निरीक्षण किया।नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें कुल 60 खण्डपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत के सफल आयोजन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण का भरपूर सहयोग रहा।

सफल स्टोरीः बिदु देहरिया की सड़क दुर्घटना में 28 मार्च 2023 को वाहन ट्रेलर क्रमांक ठछ01 द 7151 से जलगाव ठाणे के पास सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के कारण उनकी पत्नी ममता डहरिया एवं उनकी परिजनों द्वारा दावा आवेदन पत्र मोटर यान अधिनियम के तहत माननीय ग्यारहवें अतिरिक्त मोटर दुघर्टना दावा अधिकरण भोपाल के समक्ष क्षतिपूर्ति राशि रूपए पिच्चासी लाख प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया गया है। बीमा कंपनी टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा आज नेशनल लोक अदालत के माध्यम से रूपसे तैतीस लाख में समझौता किया गया है। उक्त समझौता माननीय ग्यारहवें अतिरिक्त मोटर दुघर्टना दावा अधिकरण भोपाल श्रीमती सुचिता श्रीवास्तव के समक्ष हुआ। आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्रीमती शशि जोशी एवं बीमा कम्पनी की ओर से अधिवक्ता अजय कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन महामंत्री ने

स्व. नरेंद्र सलूजा की पुण्य स्मृति में प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

स्व. नरेंद्र का व्यक्तित्व प्रखर और निडर था- हितानंद जी

नहीं होता है कि वह हंसता, खिलखिलाता चेहरा अचानक हम सभी के बीच से ओझल हो गया। वे हम सबकी स्मृतियों में हमेशा रहेंगे। मैं भारतीय जनता

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता स्व. नरेंद्र सलूजा की पुण्य स्मृति में भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी सहित वरिष्ठ नेता एवं पत्रकारगणों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया। श्रद्धांजलि सभा में स्व. नरेन्द्र सलूजा की धर्मपत्नी श्रीमती रिम्पी सलूजा, पुत्र मीत सलूजा एवं पुत्री आश्वी सलूजा सहित उनके परिजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

स्व. नरेंद्र सलूजा जी ने पार्टी में प्रभावी भूमिका निभाई-श्री शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि स्व. नरेंद्र सलूजा ने बहुत जल्द भारतीय जनता पार्टी की संगठन पद्धति को आत्मसात कर पार्टी के लिए प्रभावी भूमिका निभाई। स्व. नरेंद्र सलूजा ने अपनी योग्यता से दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा में बहुत कम समय में अपनी जगह बना ली थी। उन्होंने कर्मठता और ईमानदारी के साथ दायित्व का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार खोजी होता है, लेकिन स्व. नरेंद्र सलूजा की जानकारी पूर्ण होती थी, इसलिए उनकी सूचना सदैव सटीक होती थी। विपक्ष को किस मुद्दे पर घेरना है वे भलीभांति जानते थे। मैं कह सकता हूं कि हमने एक ऐसे कार्यकर्ता को जल्दी खो दिया है जो हमेशा पार्टी की बात को आगे रखकर पार्टी को मजबूत करने का प्रयास करते थे। स्व. श्री नरेंद्र सलूजा का असामयिक चले जाना भाजपा संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका चेहरा और वाणी विपक्ष को हमेशा परेशान करती थी। उनके व्यक्तित्व में विशिष्ठ कार्यशैली और शब्दों में तीव्रता थी, जिससे विपक्ष भी हमेशा परेशान रहता था। उनके चले जाने से पार्टी में रिक्तता आयी है। आज हमें विश्वास पार्टी की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि परिवारजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें।

स्व. नरेंद्र का व्यक्तित्व प्रखर और निडर था- हितानंद

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि स्व. नरेंद्र सलूजा का व्यक्तित्व प्रखर और निडर था। वह सूचना के स्रोत थे। स्व. सलूजा ने पार्टी को हमेशा आगे और स्वयं को पीछे रखकर कार्य किया। उन्होंने कांग्रेस में रहते हुए कांग्रेस के लिए और भारतीय जनता पार्टी में आने के बाद हमारी पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम कर जनता के बीच पार्टी की बात को रखने का काम किया। स्व. नरेंद्र सलूजा हमेशा कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी का कार्य करने के लिए सबसे आगे की पंक्ति में खडे रहते थे। स्वर्गीय नरेंद्र सलूजा का अचानक चला जाना हम सब के लिए पीढ़ादायक और पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी, पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, कांग्रेस प्रवक्ता फिरोज सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र शर्मा, सुरेश शर्मा, रविंद्र जैन, विजय शुक्ला, श्रीमती विजया पाठक, नितेंद्र शर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, श्रीमती शेफाली गुप्ता ने संबोधित कर स्व. नरेन्द्र सलूजा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा का संचालन प्रदेश प्रवक्ता श्री पंकज चतुर्वेदी ने किया। श्रद्धांजलि सभा में पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, ग्वालियर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी, नेहा बग्गा, बृजगोपाल लोया, कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया, पार्टी पेनालिस्ट श्रीमती गुंजन चौकसे, बृजेश पाण्डे, वंदना त्रिपाठी, कैलाश मिश्रा, सुरजीत सिंह चौहान, पार्टी पदाधिकारीगण, पत्रकारगण एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इंदौर समेत 5 जिलों में फर्जी बैंक का खुलासा

निवेशकों को एसबीआई मॉरीशस के दस्तावेज दिखाकर करवाई एफडी; डेढ़ करोड़ की ठगी

दीनबन्धु ■ अनूपपुर www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश के इंदौर समेत 5 जिलों में फर्जी बैंकिंग कंपनी का खुलासा हुआ है। दो युवकों ने IDCS INDIA नाम की कंपनी बनाई। निवेशकों को स्टेट बैंक ऑफ मॉरीशस के फर्जी दस्तावेज दिखाकर लाखों की एफडी कराई। आरोपियों ने 6 फीसदी मासिक ब्याज का लालच देकर 81 लोगों से डेढ़ करोड़ रुपए ठग लिए। इन पैसों से लग्जरी कार और बाइक खरीदी अनूपपुर पुलिस ने कंपनी के सीईओ योगेश श्रीवास (22) और ब्रांच मैनेजर दीपक उपाध्याय (28) को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। रविवार दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। आरोपी अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट और इंदौर में फर्जी बैंकिंग कार्यालय चला रहे थे।

पुलिस ने बैंक से 5 लैपटॉप समेत कई फर्जी दस्तावेजों को जब्त किया है।

निवेशक की शिकायत पर सामने आया मामला

आरोपी युवक योगेश ने 13 अक्टूबर 2023 को फाइनेंशियल कंसल्टेंसी के नाम पर कंपनी का जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराया था। ये निवेशकों को फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6 प्रतिशत मासिक ब्याज का लालच दे रहे थे। एक निवेशक अभिजीत सिंह ने 3 दिसंबर को एक लाख रुपए जमा कराए थे। कुछ महीने के बाद उन्हें न तो ब्याज दिया और न ही मूल राशि लौटाई। जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी ने ठगी के पैसों से लग्जरी कार और बाइक खरीदी।

एसपी मोती उर रहमान के आदेश पर पुलिस ने अनूपपुर स्थित कार्यालय को सील कर दिया। कार्यालय से स्मार्टफोन, 5 लैपटॉप, 2 प्रिंटर और कई फर्जी दस्तावेज जब्त किए हैं। आरोपी योगेश ने निवेशकों के पैसों से 20 लाख की लग्जरी कार खरीदी। साथ ही साढ़े तीन लाख की BMW बाइक, 5 लाख के सोने के जेवरात और मंडला में 50 लाख का आवासीय प्लॉट भी खरीदा। पुलिस ने शनिवार को आरोपियों को गिरफ्तार किया। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी।

पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते किए सीज

पुलिस ने आरोपियों के सभी बैंक खाते सीज कर दिए हैं। अनूपपुर में डॉक्टर रत्ना परस्ते, आकांक्षा पांडेय और अजय गुप्ता समेत कई लोगों से लाखों रुपए की एफडी कराई गई। आरोपियों ने कई युवाओं को नौकरी का झांसा देकर भी ठगी की।

इंदौर में एक साल से फरार 300 करोड़ के ठग:बार-बार बदलते रहे लोकेशन

इंदौर। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया का कहना है कि मामले की जांच जारी है। दो आरोपी शुभम और विशाल अभी फरार हैं। बैंक अकाउंट किराए पर लेकर 300 करो?ड़से ज्यादा की ठगी करने वाले दो बदमाश शुभम नामदेव और विशाल पटोले एक साल बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर ही हैं। दोनों ने कई जरूरतमंदों, स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को अपने जाल में फंसाकर उनके अकाउंट किराए पर लिए और धोखाधड़ी की।

शुभम नामदेव

विशाल

पहले मई और फिर सितंबर 2024 में इन दोनों की नामजद शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर तो दर्ज कर ली, लेकिन जांच नहीं की। एक साल तक फाइल को क्राइम ब्रांच ने लटकाए रखा। हालांकि, पुलिस इनके 5 साथियों को दो माह पहले 24 मार्च 2025 को गिरफ्तार कर चुकी है। इससे पहले पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा था।

एक साल के दौरान क्राइम ब्रांच के 5 अफसरों की टेबल पर यह फाइल भटकती रही, लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ सकी। जब इसकी शिकायत सीनियर अफसरों तक पहुंची तो उन्होंने इसकी गोपनीय जांच शुरू करा दी। लेकिन, जांच पूरी हो पाती इससे पहले जांच अफसर का तबादला हो गया।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मी आरोपी शुभम नामदेव और विशाल के संपर्क में थे। इसलिए क्राइम ब्रांच जो भी कार्रवाई करती उसकी सूचना पहले ही शुभम तक पहुंच जाती और वह लोकेशन बदलने में कामयाब हो जाता था।

भोपाल में मानसून से पहले सभी नाले-नालियों की होगी सफाई

मंत्री विश्वास सारंग ने दिए निर्देश, जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा

भोपाल। भोपाल में मानसून से पहले सभी नाले-नालियों की सफाई की जाएगी। रविवार को कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने नगर निगम को इसके निर्देश दिए। साफ-सफाई अभियान के तहत उन्होंने नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रभात चौराहे पर ड्रेनेज सिस्टम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मानसून के समय शहर में सफाई व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही, नालों में कचरा न डाला जाए, इसके लिए जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भोपाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

एक सप्ताह पहले आ सकता है मानसून : मंत्री सारंग ने बताया कि मौसम विभाग के मुताबिक, इस बार मानसून भोपाल में एक सप्ताह पहले आ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम को समय पर सफाई के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मानसून में जलभराव की समस्या न हो।

नालों के पास बनाए जाएंगे डंप स्टेशन : मंत्री ने आगे कहा कि नालों की सफाई मशीनों से की जाएगी। इसके साथ ही नालों के आसपास रहने वाले निवासियों को सूचित किया जाएगा कि वे इनमें कचरा न डालें। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन जैसे अपशिष्ट पदार्थ नालों में जल प्रवाह को रोकते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए नालों के पास डंप स्टेशन बनाए जाएंगे, ताकि कचरा सीधे नाले में न जाए।

जगतगुरू आदि शंकराचार्य जी की जयंती मनाई गई

केसला। जन अभियान परिषद केसला द्वारा सीएमसीएलडीपी कक्षा में भगवान आदि शंकराचार्य की जंयती मनाई गई। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित मोहन तिवारी ने बताया कि बाल्यकाल से ही अदुतीय विद्वता के धनी शंकराचार्य ने ॐअद्वैत वेदांतॐ के माध्यम से भारतीय परंपरा को समृद्ध किया चारों मठों की स्थापना कर उन्होंने राष्ट्रीय एकता और संस्कृति की रक्षा में अमूल्य योगदान दिया, उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। संदेश रिछारिया ने कहा कि सनातन धर्म और हमारा देश में जो धर्म परिवर्तन को लेकर गतिविधि चल रही है उसे रोकना चाहिए सभी बच्चों को अपने धर्म का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान जन अभियान परिषद केसला के ब्लॉक समन्वयक विवेक मालवीय, मेंटर प्रमोद पुरवइया, राजेश मालवीय, वेंकट चिमांनियां, त्रिलोक चंद मनवारे, नवांकुर संस्था से गणेश यादव, राकेश भट्ट एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चैतन्य योग क्रिया पर आयोजित हुआ तीन दिवसीय चैतन्य योग शिविर

आपका मन वहीं काम करता है जहां आपकी चेतना केंद्रित होती है : डॉ. चौधरी

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

आज के भागदौड़ भरे जीवन में हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि हम अपने जीवन को कैसे संतुलित रखे जिससे हमारा शरीर, मन और मस्तिष्क तीनों एकाग्र रहें और हम हमारे कार्य को पूरी निष्ठा के साथ कर सकें। ऐसे में चैतन्य योग हमारे अंर्तमन की चेतना को जाग्रत करवाने में हमारी मदद करता है। यह बात फिलॉस्फर और वैज्ञानिक डॉ. भूपेन्द्र चौधरी ने कोलार रोड स्थित प्राइड होटल में आयोजित चैतन्य योग शिविर में आये प्रतिभागियों से संवाद के दौरान कही। तीन दिवसीय योग शिविर के अंतिम दिन डॉ. चौधरी ने प्रतिभागियों को शारीरिक, आत्मिक और बौद्धिक विकास के व्यावहारिक अनुभव पर विस्तार से चर्चा की। इस शिविर का आयोजन सॉल फाउंडेशन ऑफ इंडिया, सर्कल कॉन्शियसनेस एंड हैप्पीनेस की ओर से किया गया। शिविर में प्रतिभागियों ने शरीर, मन और आत्मा के गहरे जुड़ाव का अनुभव किया। डॉ.चौधरी ने फिलॉसफी से जीवन को देखने का नया दृष्टिकोण दिया।

जागरूकता के शिखर तक पहुंचने का साधन: इस दौरान डॉ. भूपेन्द्र चौधरी ने चैतन्य योग पर चर्चा करते हुए बताया कि योग एक प्राचीन विज्ञान है जिसने कई लोगों को अपनी चेतना विकसित करने में मदद की है। आत्म-साक्षात्कार और आध्यात्मिक ज्ञान तक पहुंचने तथा किसी की चेतना और जागरूकता के शिखर या पूर्ण क्षमता तक पहुँचने का अंतिम साधन है। इस दौरान प्रतिभागियों को चैतन्य योग क्रिया, मानसिक स्पष्टता, ध्यान केंद्रित करने की तकनीकें, और चेतना को विस्तार देने वाले अभ्यास सिखाए गए। डॉ. चौधरी ने यह भी समझाया कि कैसे हम अपने सोचने के तरीके को बदलकर जीवन की दिशा बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि आपका मन वहीं काम करता है, जहां आपकी चेतना केंद्रित होती है।

महिला किराएदार ने किया एनआरआई के घर पर कब्जा, धोखाधड़ी का केस दर्ज

भोपाल। दुबई में रहने वाले एक एनआरआई के घर में किराएदार महिला ने फर्जी एग्रीमेंट बनाकर कब्जा कर लिया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच के बाद आरोपी किराएदार के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार गांधी नगर में रहने वाले शादाब खान (72) इन दिनों परिवार के साथ दुबई में रहते हैं। गांधी नगर में उनका मकान बेटी के नाम पर है। तीन साल से उस मकान में सुरजीत कौर नामक महिला अपने पति के साथ किराए से रह रही थी। किराएदारी का अनुबंध उसके पति के नाम पर था। साल 2024 में सुरजीत कौर के पति का देहांत हो गया। पति की मौत के बाद से सुरजीत कौर ने मकान का किराया देना बंद कर दिया। जब फरियादी शादाब ने उससे किराया न देने को लेकर बातचीत की तब महिला ने कहा की अनुबंध पत्र उसके पति के नाम पर था। अब उसने मकान खरीद लिया है। इतना ही महिला ने फर्जी क्रय अनुबंध पत्र भी पेश कर दिए। इसके बाद शादाब ने मामले की लिखित शिकायत कोहेफिजा पुलिस को दिया था। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी महिला सुरजीत कौर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

अत्याधुनिक व आत्मनिर्भर गौ-अभयारण्य है बसामन मामा गौवंश वन्य विहार - शुक्ल

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार अत्याधुनिक गौअभयारण्य है। शीघ्र ही यहां 5 टन क्षमता का गैस उत्पादन संयंत्र आईओसीएल द्वारा स्थापित किया जायेगा तथा पशु आहार निर्माण इकाई को भी शुरू किया जायेगा। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के विश्राम गृह में रात्रि विश्राम के उपरांत प्रशासनिक भवन में उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार एवं हिनौती गौधाम में अधोसंरचना निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि दुधारू गौवंश की 25-25 यूनिट के चार समूह बनाकर दुग्ध उत्पादन प्रारंभ करें तथा चिन्हित चरनाई भूमि की फेंसिंग कराकर चारा उत्पादन करें। उन्होंने सामुदायिक भोजशाला के निर्माण में गोबर की ईंट का उपयोग करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करने तथा मंच के सामने समतलीकरण कार्य को शीघ्र करने के निर्देश निर्माण विभाग को दिये। उन्होंने मृत पशु निष्पादन संयंत्र की स्थापना शीघ्र करायें तथा गौवंश वन्य विहार में बाउंड्रीबाल का निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौवंश वन्य विहार में धन की कमी नहीं है इसमें सभी आवश्यक उपकरण व व्यवस्थायें सुनिश्चित करायें। उन्होंने प्रोड्क्शन मैनेजर व मार्केटिंग मैनेजर की नियुक्ति किये जाने की भी बात कही। उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में पशु शेड व प्रशासनिक भवन का निर्माण 15 जून तक कर लेने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना के अनुसार हिनौती गौधाम में पशु शेड, सड़कों का निर्माण करायें ताकि सड़कों के किनारे वर्षाकाल में वृक्षारोपण कराया जा सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 34 लाख रूपये की लागत से बनाये जाने वाले चेकडैम का भूमिपूजन किया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में पशु चिकित्सक की उपस्थिति व सभी आवश्यक उपचार उपकरण की सुनिश्चितता के निर्देश दिये। उन्होंने प्रशासनिक भवन के समीप एक सुलभ काम्पलेक्स तथा एक अन्य सार्वजनिक सुलभ काम्पलेक्स निर्माण कराने के निर्देश निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में जिला गौसंवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष श्री राजेश पाण्डेय ने बहुमूल्य सुझाव दिये जिन पर उप मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्यवाही करने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, सीईओ जिला पंचायत श्री मेहताब सिंह गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री गंगेव विकास तिवारी, अभयराम जी महराज सहित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीजन उपस्थित रहे।

डाबरी से लांजी तक मार्ग बनाने का किया वादा

जहां रहते हैं खूंखार नक्सली, वहां बेखौफ पहुंच गए मंत्री प्रहलाद पटेल

दीनबन्धु ■ बालाघाट www.dinbandhun

जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र दक्षिण बैहर के बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चौरिया में शनिवार को पहली बार मंत्री के रूप में प्रहलाद पटेल पहुंचे. उन्होंने गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत देवनदी के उद्गम स्थल का पूजन किया. यह बैहर क्षेत्र का अंतिम गांव है, जिसके बाद लांजी विधानसभा क्षेत्र प्रारंभ हो जाता है।नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहली बार किसी मंत्री के पहुंचने पर मंत्री प्रहलाद बोले कि, ÷यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का भारत, मोहनजी के नेतृत्व का मध्यप्रदेश है. जनप्रतिनिधि कोई भी हो, उसे अंतिम स्थान तक जाना चाहिए. हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मानने वाले है, दरिद्र नारायण की सेवा ही सच्ची सेवा है.जो पंक्ति में सबसे पीछे खड़ा है, उसको बराबर में ख?ा करना, जब जाओगे नहीं तो वह बराबर में कैसे ख?ा होगा. मैं सौभाग्यशाली हूं कि मंत्री के रूप में यहां मैं पहली बार आया हूं. देवनदी की कृपा और जनजातियों का भाव होगा, तभी मैं यहां आया।

मंत्री ने नहीं करवाया अपना स्वागत

गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत मंचीय कार्यक्रम में खास बात यह रही कि मंत्री प्रहलाद पटेल और सांसद भारती ने स्वयं का स्वागत ना कराकर, ग्राम के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ नागरिकों का स्वयं पुष्पमाला और पुष्पगुच्छ से सम्मान किया. इस दौरान पूर्व विधायक भगत नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे, भाजपा उपाध्यक्ष आनंद कोछड़, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

हॉकफोर्स के जवान रहे तैनात

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में मंत्री प्रहलाद पटेल के आयोजित कार्यक्रम को देखते हुए जगह-जगह पर हॉकफोर्स के जवान तैनात रहे. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उद्गम स्थल से जलप्रवाह के लिए ग्रामीणों की सराहना करते हुए कहा कि, इस वर्ष 19 नदियों के उद्गम स्थल वह गए है, जिसमें 16 स्थानों पर जल मिला है, जो अच्छी बात है. उन्होंने चौरिया में देवनदी के उद्गम से जल की धारा के मौजूद होने पर ग्रामीणों को सराहना की.

डाबरी से लांजी तक मार्ग बनाने का वादा

कार्यक्रम में पंचायत सरपंच सुगवती उईके की ओर से उनके पति ने 2 प्राथमिक शाला भवन, 2 सोसायटी भवन और दो आंगनबाड़ी भवन और डाबरी से लांजी मार्ग के निर्माण की मांग रखी. मंत्री प्रहलाद पटेल ने डाबरी से लांजी मार्ग के निर्माण और पंचायत में 25 लाख से अनाज भंडार सह सामुदायिक भवन के निर्माण की घोषणा के साथ ही वादा किया कि आगामी मार्च 2026 तक यह दोनों कार्य पूर्ण हो जाएंगे. लेकिन जिस तरह से डाबरी से लांजी का मार्ग दुर्गम, घुमावदार है, उससे नहीं लगता कि वह मार्च 2026 तक पूर्ण हो पाएगा.

संपादकीय

भारत का ताबड़तोड़ जवाबी एक्शन-छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं

भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान में खलबली- पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम सहित कई पोर्ट तबाह भारत की फाइनल पारी- पाकिस्तान पर सबसे भारी- भारत की मुँहतोड़ जवाब की रणनीतिक तैयारी-आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जारी- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया- वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नजरें भारत पाकिस्तान के अति तीव्र टेंशन पर लगी हुई है, भारत ने पहलगाम घटना की जवाबी कार्यवाही ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक ने अनेकों स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिसके जवाब में भारतीय आर्मी ने अनेकों ड्रोन, मिसाइल नाकाम कर दी है, अब हमारा डिफेंस सिस्टम सभी एजेंसयाँ अलर्ट मोड में है, अनेकों राज्यों के अनेकों शहरों में ब्लैकआउट घोषित कर दिया गया है।लगातार सायरन बज रहे हैं, हमारे पूरे मीडिया के साथी दिन रात पैनी नजर रखे हुए हैं, मैं भी लगातार करीब 20 घंटे पूरी घटनाओं पर नजर रखे हुए हूं। आज सुबह 6 तक संचार माध्यमों में आई पूरी जानकारी के आधार पर यह विशेष रिपोर्ट तैयार किया हूं।संयुक्त राष्ट्र सहित पूरी दुनियाँ के देश इस टेंशन पर नजर बनाए हुए हैं, पाकिस्तान पर भारत की प्रचंड जवाबी प्रहार जारी है, एलओसी पर मुँहतोड़ जवाबी कार्रवाई की जा रही है, पंजाब राजस्थान जम्मू कश्मीर गुजरात के अनेक शहरों में ब्लैक आउट कर दिया गया है। पाक ने अमेरिका से गुहार के बाद अमेरिका ने कहा भारत और पाकिस्तान आपस में निपटो, यानें अमेरिका ने हाथ झटक दिये हैं, मदद से इनकार कर दिया है। पाक द्वारा बॉर्डर पर समझौते के उल्लंघन लगातार कर रहाहै व बिना कारण जोरदार फायरिंग कर रहा है तथा भारत की जवाबी कार्रवाई से खलबली मची हुई है।चूँकि भारत द्वारा डिफेंस सिस्टम सहित लाहौर पेशावर के बाद अब कराची पोर्ट को भी तबाह कर दिया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान में खलबली, पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम सहित कई पोर्ट तबाह कर दिए गए हैं। व भारत- पाकिस्तान टेंशन,भारत का ताबड़तोड़ जवाबी एक्शन, छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। साथियों बात अगर हम भारत के अनेकों राज्यों में ब्लैकआउट को समझने की करें तो,भारतसरकार के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान की हालत खिसियानी बिल्ली जैसी हो गई है। भारतीय सेनाओं की मुस्तैदी को देखते हुए पाकिस्तान और कुछ न कर पाए लेकिन साइबर ड्रोन और मिसाइल अटैक बहुत बढ़ा सकता है।पंजाब के बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन अटैक किया गया है, पाकिस्तान की तरफ से पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन को भी निशाना बनाया गया।पाकिस्तान ने जम्मू से लेकर जैसलमेर तक ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है, भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को नाकाम कर दिया है, जम्मू में पाक ने ड्रोन से एयरपोर्ट को निशाना बनाने की कोशिश की,पाकिस्तान की ओर से जम्मू से लेकर राजस्थान के जैसलमेर तक ड्रोन और मिसाइल से हमला किए गए। पाकिस्तान की ओर से किए गए इस ड्रोन अटैक के कारण जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब के कई शहरों में ब्लैक आउट कर दिया गया है,कुपवाड़ा में भी सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट किए जाने की खबर सामने आई है, हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों की ओर से सामने आई जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के ड्रोन अटैक को नाकाम कर दिया गया है। जम्मू ,सांबा, पठानकोट और आरएस पूरा में पाक ड्रोन और मिसाइल से हमला किया गया है,इंटरनेशनल बॉर्डर पर भीषण गोलाबारी की जा रही है, पाक मिसाइल और ड्रोन को मार गिराने में र 400 का इस्तेमाल का किया गया है। साथियों बात अगर हम भारत पाक के बीच जंग के हालात आज 9 मई 2025 के सुबह 6 तक जानने की करें तो, भारत- पाकिस्तान के बीच जंग के हालात, जानिए ताजा अपडेट (1) जम्मू में सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट (2) ड्रोन से हमले की कोशिश को किया नाकाम (3) एयर डिफेंस सिस्टम ने हमले को नाकाम किया (4) इंटरनेशनल बॉर्डर पर पाक की ओर से भारी गोलीबारी (5) कुपवाड़ा में भी सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट (6) नागरिकों से घर से अंदर रहने को कहा गया है। (7) पाकिस्तान के ड्रोन अटैक का वीडियो भी सामने आया है। (8) जम्मू हवाई अड्डे को निशाना बनाने को कोशिश की गई थी। (9) भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के ड्रोन को मार गिराया (10) अखनूर और किश्तवाड़ में भी ब्लैकआउट। (11) जम्मू के अलावा पंजाब के फिरोजपुर और अमृतसर से भी ब्लैक आउट की खबरें सामने आई है।(12) जम्मू में फोन नेटवर्क में दिक्कत आ रही है. कॉल कनेक्ट नही हो पा रहा है। (13) राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेड अलर्ट घोषित किया गया। (14) चंडीगढ़, शिमला, अमृतसर, बठिंडा, भुज से विमानों के उड़ान रद्द कर दिए गए है। (15) राजस्थान के जैसलमेर, श्रीगंगानगर जिले में भी ड्रोन से हमला किया गया है। (16) जम्मू यूनिवर्सिटी के पास दो ड्रोन गिराए गए। (17) यह जानकारी सामने आई कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। (18) रुक-रुक कर पाकिस्तान की ओर से अभी भी ड्रोन भारतीय सीमा में आ रहे हैं. जिसे भारतीय डिफेंस सिस्टम नाकामसाबित कर रही है। (19) मोहाली में दो घंटे के ब्लैकआउट की घोषणा कर दी गई है। (20) गुजरात के सर क्रीक में पाक ड्रोन को मार गिराया गया है (21) राजस्थान- दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। (22) धर्मशाला में आईपीएल का मैच रोक दिया गया है। (23) तीनों सेना प्रमुखों के साथ भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक कर रहे हैं। (24) अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से जयशंकर ने बातचीत की है। (25) जालंधर पर हमले की कोशिश नाकाम कर दी गई है। (26) इंटरनेशनल बॉर्डर के बास भीषण गोलीबारी हो रही है, कई चौकियों को खाली कराया गया है। (27) राजस्थान के श्रीगंगानगर में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। (28पीएम मोदी और एनएसए अजीत डोभाल के बीच मीटिंग हुई।

आज सूरदास जी की जयंती, पर विशेष

संत कवि सूरदास की कृष्ण आराधना

लेखक - संजय गोस्वामी

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सूरदास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को सूरदास जयंती के रूप में मनाया जाता है। अतः सूरदास की जयंती 12 मई 2024 को है।उनके पिता का नाम पंडित था। रामदास सारस्वत ब्राह्मण और माता का नाम जमुना दास था। सूरदास के पिता एक प्रसिद्ध गायक थे। सूरदास के जन्मांध होने की कई कहानियाँ प्रचलित हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि वह जन्म से ही अंधे थे, जबकि अन्य का मानना है कि वह बाद में अंधे हो गये। फरीदाबाद के निकट जी गाँव में उनका जन्म हुआ था वे जन्म से ही अंधे थे इसलिए उनका नाम सूरदास हुआ उन्होंने सूरसागर आदि महान रचनाओं की रचना की थी। सूरदास ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पिता से प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने संस्कृत, व्याकरण, साहित्य और संगीत का

अध्ययन किया। वह एक कुशल गायक और कवि थे। एक बार सूरदास की भेंट श्री वल्लभाचार्य से आगरा के निकट गऊघाट पर हुई। वल्लभाचार्य ने उन्हें पुष्टिमार्ग में दीक्षित किया और कृष्णलीला के पद गाने का आदेश दिया। वल्लभाचार्य के शिष्य के रूप में सूरदास ने कई वर्षों तक कृष्णलीला के कई पद गाए और लिखे। सूरदास को वल्लभाचार्य का शिष्य माना जाता है। वे मथुरा के गऊघाट स्थित श्रीनाथ जी के मंदिर में रहते थे। सूरदास का भी विवाह हो गया। आपको बता दें कि अलग होने से पहले वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वल्लभाचार्य से मिलने से पहले सूरदास विनम्रता के पद गाते थे, लेकिन जब वे वल्लभाचार्य से मिले और उनके संपर्क में आए तो उन्होंने कृष्णलीला गाना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि तुलसी की मुलाकात एक बार मथुरा में सूरदास जी से हुई और धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम की भावना बढ़ती गई। ऐसा माना जाता है कि तुलसीदास ने सूरदास के प्रभाव में आकर श्री कृष्ण गीतावली की रचना की थी। सूरदास की सबसे प्रसिद्ध रचना सूरसागर है। यह एक महाकाव्य है जिसमें कृष्णलीला का वर्णन है। इस महाकाव्य में सूरदास ने कृष्ण के बचपन से लेकर उनके द्वारिका प्रवास तक की घटनाओं का वर्णन किया है। इस रचना ने सूरदास को हिन्दी साहित्य का सूर्य बना दिया। वह अपनी रचना सूरसागर के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि उनके काम में लगभग 100000 गाने हैं, लेकिन आज केवल 8000 ही बचे हैं। इन गीतों में कृष्ण के बचपन और उनकी लीलाओं का वर्णन किया गया है। सूरदास अपनी कृष्ण भक्ति के साथ-साथ अपनी प्रसिद्ध रचना सूरसागर के लिए भी जाने जाते हैं। सूरदास की अनेक गद्य कृति है। इसमें सूरदास ने अपने जीवन और अनुभवों का वर्णन किया है। साहित्य लहरी 118 छंदों की एक लघु रचना है। यह सूरदास की एक काव्य रचना है। इसमें नल और दमयंती के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। यह सूरदास की अनेक काव्य रचना भगवान कृष्ण के प्रति सच्ची भक़्ती को दशार्ता है। इसमें कृष्ण और राधा के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। सूरदास एक महान भक्त कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना का परिचय दिया। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। सूरदास एक भावुक कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति के भावपूर्ण रूप को व्यक्त किया है। सूरदास हिन्दी साहित्य के महान कवि थे। उनकी कृतियों ने हिन्दी साहित्य को गौरवान्वित किया है। उनकी कविता का प्रभाव हिन्दी साहित्य के परवर्ती कवियों पर पड़ा। सूरदास की रचनाओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति की भावना सर्वोपरि है। वह भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना दशार्यी है। उनके काव्य में कृष्ण के प्रति प्रेम, सौन्दर्य और करुणा की भावनाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। इनमें छंद, अलंकार और रस का सुंदर प्रयोग हुआ है सूरदास की मृत्यु जुलाई 1583 ई. में हुई। वे हिन्दी साहित्य के अमर कवि हैं। उनके काम आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं और लोग उनकी रचनाओं को बड़े चाव से गाते हैं।

दया,करुणा और मानवता के महानायक भगवान बुद्ध!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

563 ईसापूर्व वैशाख मास की पूर्णिमा को लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच एक राजकुमार के रूप में भगवान बुद्ध ने उस समय जन्म लिया, जब उनकी मां कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने पीहर देवदह जा रही थी और रास्ते में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई थी। इस राजकुमार का नाम रखा गया सिद्धार्थ, जो आगे चल कर महात्मा बुद्ध के नाम से विख्यात हुए। महात्मा बुद्ध का जीवन दर्शन और उनके विचार आज ढाई हजार से अधिक वर्षों के बेहद लंबे अंतराल बाद भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके प्रेरणादायक जीवन दर्शन का जनजीवन पर अमिट प्रभाव रहा है। हिन्दू धर्म में जो अमूल्य स्थान चार वेदों का है, वही स्थान बौद्ध धर्म में ह्यपिटकोंह्ण का है। महात्मा बुद्ध स्वयं अपने हाथ से कुछ नहीं लिखते थे बल्कि उनके शिष्यों ने ही उनके उपदेशों को कंठस्थ कर बाद में उन्हें लिखा और लिखकर उन उपदेशों को वे पेटियों में रखते जाते थे, इसीलिए इनका नाम ह्यपिटकह्ण पड़ा, जो तीन प्रकार के हैं:- विनय पिटक, सुत्त पिटक तथा अभिधम्म पिटक।बुद्ध का कथन है ,कल्याण की भावना तथा प्राणीमात्र के प्रति दयाभाव का साक्षात्कार होता है। बुद्ध के हृदय में बाल्यकाल से ही चराचर जगत में विद्यमान प्रत्येक प्राणी में प्रति करूणा कूट-कूटकर भरी थी। मनुष्य हो या कोई जीव-जंतु, किसी का भी दुख उनसे देखा नहीं जाता था। एक बार की बात है, जंगल में भ्रमण करते समय उन्हें किसी शिकारी के तीर से घायल एक हंस मिला। उन्होंने उसके शरीर से तीर निकालकर उसे थोड़ा पानी पिलाया। तभी उनका चचेरा भाई देवदत्त वहां आ पहुंचा और कहा कि यह मेरा शिकार है, इसे मुझे सौंप दो। इस पर राजकुमार सिद्धार्थ ने कहा कि इसे मैंने बचाया है जबकि तुम तो इसकी हत्या कर रहे थे, इसलिए तुम्हीं बताओ कि इस पर मारने वाले का अधिकार होना चाहिए या बचाने वाले का। निश्चित ही बचाने वाले का अधिकार है।यही न्याय उनके पिताजी ने उनके साथ किया। बुद्ध की सोच थी कि जो व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से ईर्ष्या करता है, उससे वैर भाव रखता है, किसी पर बेवजह क्रोध करता है, निरीह प्राणियों पर अत्याचार या उनकी हत्या करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जब कोई किसी पर चिल्लाता है या उसे अपशब्द कहता है अथवा उसे नीच कहता है तो ऐसा करने वाला व्यक्ति ही वास्तव में नीचता पर उतारू होता है क्योंकि असभ्य व्यवहार ही नीचता का प्रतीक है। जो व्यक्ति किसी का कुछ लेकर उसे वापस नहीं लौटाता, ऋण लेकर लौटाते समय झगड़ा या बेईमानी करता है, राह चलते लोगों के साथ मारपीट कर लूटपाट करता है, जो माता-पिता या बड़ों का आदर-सम्मान नहीं करता और समर्थ होते हुए भी माता-पिता की सेवा नहीं करता बल्कि उनका अपमान करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जाति या धर्म निम्न या उच्च नहीं होते और न ही जन्म से कोई व्यक्ति उच्च या निम्न होता है बल्कि अपने विचारों, कर्म तथा स्वभाव से ही व्यक्ति निम्न या उच्च बनता है। मध्य बिहार के धार्मिक तीर्थ स्थल गया से लगभग 10 किमी दूर वह पवित्र स्थान है जहां महात्मा बुद्ध को आध्यत्म का बोध हुआ और उन्होंने संसार से विरक्त होकर ईश्वरीय ज्ञान की अलख जगाई ,साथ ही दुनिया मे शांति व सदभाव की स्थापना के लिए उन्होंने साधना की। सिद्धार्थ अर्थात गौतम का संसार की मोह माया को त्यागकर महात्मा बुद्ध में परिवर्तित होना और अपना संपूर्ण जीवन धर्म के असली अर्थ को जानकर बोध की अवस्था को प्राप्त करना एक चमत्कार ही है, जिसका संदेश सारे विश्व में गया है। बौद्ध धर्म को स्थापित करने वाले सिद्धार्थ अर्थात गौतम बुद्ध को बिहार की भूमि पर ही बोध की प्राप्ति हुई थी। जिस स्थान पर गौतम बुद्ध ने सर्वोच्च ज्ञान हासिल किया था, उस जगह को महाबोधि मंदिर, जो कि बोध गया में स्थित है, के नाम से जाना जाता है।इस मंदिर की सुरक्षा अत्यधिक है।श्रद्धालुओं को सीसीटीवी कैमरे की नजर में रखा जाता है।कैमरे व मोबाइल की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित है।चाहे श्रद्धालु स्त्री हो या पुरूष दोनों को ही दो दो बार तलाशी के दौर से गुजरना पड़ता है।तब जाकर महात्मा बुद्ध के विग्रह को निहारने व वहां बैठकर साधना सुख का अवसर मिल पाता है। बौद्ध धर्म के पवित्र स्थल के रूप में प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर के दर्शन के लिए बौद्ध धर्म के अनुयायी देश-विदेश से बोध गया आते हैं। महात्मा बुद्ध को विष्णु का अवतार भी माना जाता है इसलिए इस मंदिर को लेकर हिन्दू धर्म के लोगों की भी गहरी आस्था है। महात्मा बुद्ध का जीवन जितना अद्भुत था। इस मंदिर का इतिहास भी उतना ही रोचक है, जो मौर्य शासक सम्राट अशोक से जुड़ा है। गौतम बुद्ध को बोध की प्राप्ति कब हुई, इससे ठीक अनुमान से जुड़ा कोई भी दस्तावेज मौजूद नहीं है। यहां तक कि बुद्ध का जन्म किस सदी और किस तारीख को हुआ, इससे जुड़ा कोई पुख्ता प्रमाण मौजूद नहीं है। महात्मा बुद्ध का संबंध 5वीं और 6वीं शताब्दी ईसापूर्व से है। माना जाता है तीसरी शताब्दी ईसापूर्व में सम्राट अशोक, जो बौद्ध धर्म ग्रहण करने वाले पहले शासक थे, ने इस महाबोधि मंदिर में अपने विशिष्ट पहचान वाले खंबे भी लगवाए जिनके शीर्ष पर हाथी बना होता था। पहली शताब्दी ईसवी में इस मंदिर की परिधि में नक्काशीदार पत्थरों से बनी एक बाड़ लगा दी गई, जिसके कुछ अवशेष आज भी मौजूद हैं। इस मंदिर के भीतर एक बड़ी प्रतिमा के रूप में बुद्ध, पद्मासन में विराजमान हैं। कहा जाता है यह वही स्थान है जहां बुद्ध को निर्वाण की प्राप्ति हुई थी। मंदिर के भीतर स्थित बुद्ध की प्रतिमा के आगे भूरे बलुए पत्थर पर बुद्ध के विशाल पदचिन्ह भी मौजूद हैं, जिन्हें धर्मचक्र प्रर्वतन का प्रतीक भी कहा जाता है। इस मूर्ति के चारों ओर विभिन्न रंगों के झंडे लगे हुए हैं जो इस मूर्ति को बेहद आकर्षक और विशिष्ट बनाते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि जब सम्राट अशोक ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था तब यहां हीरे-जवाहरात से बना एक सिंहासन भी बनवाया था, जिसे पृथ्वी का नाभि केन्द्र माना जाता था। महाबोधि मंदिर के परिसर में उन सात स्थानों को प्रमुखता के साथ चिन्हित किया गया है जहां महात्मा बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति होने के पश्चात आगामी सात सप्ताह व्यतीत किए थे। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात महात्मा बुद्ध ने दूसरा सप्ताह जिस वृक्ष के नीचे बिताया था उस बोधि वृक्ष की पांचवीं पीढ़ी का पेड़ आज भी वहां मौजूद है। यहां बुद्ध की एक प्रतिमा भी बनी हुई है, जिसे अनिमेश लोचन कहा जाता है। महाबोधि मंदिर का उत्तरी भाग ह्यचंकामानाह्ण के नाम से पहचाना जाता है। इस स्थान पर बुद्ध ने निर्वाण के बाद तीसरा सप्ताह बिताया था।

कविता-अहंकार

कुर्सी पर आसीन होते ही अभिमान क्यों आ जाता है वह फिर सामान्य इंसान नहीं रहता कुछ और हो जाता है अपने आसपास वालों के साथ अपने साथियों के साथ उसका व्यवहार बदल जाता है उसको सत्ता का अहंकार हो जाता है। उसको कुर्सी का घमंड हो जाता है। ऐसा अधिकतर होता है कि जब इंसान कुछ नहीं होता तब उसका व्यवहार बहुत अलग होता है लेकिन जैसे ही उसके पास में किसी भी प्रकार का पावर आ जाए, पैसा आ जाए उसका अहंकार बढ़ जाता है वह पहले जैसा नहीं रहता।मैंने यह घटना बहुत करीब से देखी है, मैं किसी का नाम नहीं लूंगी क्योंकि नाम लेना सामने वाले को अपमानित करना है और मैं किसी को अपमानित करना कभी नहीं चाहूगीं क्योंकि अहंकार और बदलाव मानव का स्वभाव है, हम सब मानव है हम सब उसी समाज में रहते हैं। सभी व्यक्तियो का आचरण भी एक जैसा ही रहता हैं। बहुत ही अलग व्यक्ति होते हैं जिन्हें सत्ता प्रभावित नहीं कर पाती जिन्हें कुर्सी का मोह बांध नहीं पाता, वह अपने और पराए में भेद नहीं करते हैं,उनके लिए सब एक समान है। मुझे याद आता है भारत के दिवंगत प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की सर्वोच्च पद पर होने के बावजूद भी अपने जीवन शैली में उन्होंने कोई परिवर्तन नहीं किया उनके रहन-सहन में कोई बदलाब ना हुआ खान-पान में कोई परिवर्तन ना हुआ उनके इसी व्यवहार से हम सब बरसों बाद भी, देश की जनता, भारतवर्ष की जनता उनका नाम बहुत ही सम्मान के साथ लेती है। क्योंकि वह साधारण होकर असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। मैं यह इसलिए कह रही हूं कि उनका उदाहरण दिया जा सकता हैं। वह सर्वोच्च पद पर होकर भी नहीं बदले। वर्तमान में स्थिति यह है कि छोटा सा पद मिलने के बाद, छोटी सी चीज मिलने के बाद ही लोगों का व्यवहार पूर्णरूप से बदल जाता है। बदलाव का सबसे ज्यादा प्रभाव उन पर पड़ता है जो साथ रहते हैं आसपास रहते हैं सबसे ज्यादा बदलाव वही महसूस करते हैं। सबसे ज्यादा मन उन्ही का व्यथित होता है जो करीब है उनसे जब अपने मित्र का व्यवहार बदल जाता है।

पूनम श्रीवास्तव

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी आज हम 205वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को ही 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। ह्यलेडी विद द लैंपह्ण के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 203 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से ह्यफ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारह्ण की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं। फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई।

(बुद्ध पूर्णिमा (12 मई) पर विशेष)

दयाभाव की जीवित प्रतिमूर्ति थे महात्मा बुद्ध

लेखिका-श्वेता गोयल

हर साल वैशाख मास की पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 12 मई को मनाई जा रही है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया। सिद्धार्थ मन की शांति पाने के उद्देश्य से एक दिन भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोहमाया और ममता का परित्याग कर पूर्ण सन्यासी बन गए। सबसे पहले उन्होंने मार्ग में एक रोगी व्यक्ति को देखा और सारथी से पूछा, ह्ययह प्राणी कौन है और इसकी यह कैसी दशा है सारथी ने बताया, ह्ययह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है। इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दुःखों का सामना करना ही पड़ता है। आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दुःख झेलने पड़ते हैं, उस अवस्था में मनुष्य दुर्बल व कृशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी मृत्यु हो जाती है। सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दुःखी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल शांतचित्त था। साधु को देख सिद्धार्थ के मन को अपार शांति मिली और उन्होंने विचार किया कि साधु जीवन से ही मानव जीवन के इन दुखों से मुक्ति संभव है। बस फिर क्या था, देखते ही देखते सिद्धार्थ सांसारिक मोहमाया के जाल से बाहर निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और एक दिन रात्रि के समय पत्नी यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सूखकर कांटा हो गए किन्तु ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो उन्होंने ही राजकुमार सिद्धार्थ को पहली बार तथागत कहकर संबोधित किया। तथागत यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष बोधिवृक्ष कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को महात्मा बुद्ध कहा गया। महात्मा बुद्ध मन की साधना को ही सबसे बड़ी साधना मानते थे। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में उन्होंने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए।

(विचार-मंथन)

युद्ध विराम का श्रेय मोदी या ट्रंप के नाम

लेखक- सनत जैन

भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई थी। उसी बीच युद्ध विराम की खबर आ गई। युद्ध विराम की यह खबर अमेरिका से चलकर भारत पहुंची। भारत ने पुष्टि की। उसके बाद से युद्ध विराम को लेकर तरह-तरह की चचाएं होने लगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम का श्रेय लिया है। सबसे पहले उन्होंने ही युद्ध विराम का संकेत दिया, डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता का भी दावा किया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान तत्काल युद्ध विराम के लिये सहमत हो गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा 48 घंटे तक अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विदेश मंत्री जयशंकर तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सेना प्रमुख मुनीर से उपराष्ट्रपति बेंस लगातार बात कर रहे थे। दोनों देश युद्ध विराम और बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सीज फायर के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया। पाकिस्तान ने चीन, सऊदी अरब, तुर्की और कतर को भी धन्यवाद दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत में युद्ध को लेकर जो छवि बनाई गई थी। इस बार पाकिस्तान के साथ निर्णायक लड़ाई होनी थी। पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल किए जाने के दावे किए जा रहे थे। पाकिस्तान की 4 दिनों में जिस तरह की हालत थी। उसके बाद यह लग रहा था कि भारत जल्द ही पाक अधिकृत कश्मीर को अपने कब्जे में लेगा। वहीं बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करेगा। पाकिस्तान को भारत ऐसा सबक सिखाएगा, जिसको वह कई पीढ़ियों तक नहीं भूल पाएगा। भारत का मीडिया भी इसी तरह की खबरों को लगातार चला रहा था। भाजपा का आईटी सैल भी यही दावा कर रहा था। जैसे ही अमेरिका की मध्यस्थता में भारत ने सीज फायर के लिए सहमति दी। उसके बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि बनाई गई थी। उसमें समर्थकों को बड़ा धक्का लगा। इतने वर्षों तक जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान को लेकर कभी भी भारत ने किसी अन्य देश की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीज फायर और मध्यस्ता की बात स्वीकार करने से अभी तक उनकी जो छवि बनी हुई थी। उसमें जबरदस्त नुकसान देखने को मिल रहा है। जैसे ही सीज फायर की घोषणा हुई, उसके बाद नेशनल मीडिया के सभी चैनल और उनके एंकर एकदम से हतप्रभ रह गए। उन्हें सूझ नहीं रहा था, कि अब वह किस तरीके से अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं। पहलगाम की घटना के बाद बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। एक ही झटके में वह हवा हवाई हो गए। कुछ इसी तरह की स्थिति भाजपा आईटी सेल की हो गई। भारत सरकार ने सीज फायर और मध्यस्थता की बात स्वीकार करके सबको हैरान और परेशान कर दिया। सीज फायर के कुछ ही घंटे के बाद पाकिस्तान की ओर से रात में हमले शुरू हो गए। उसको लेकर देश भर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़े-बड़े समाचार पत्रों को भी समझ में नहीं आ रहा था, कि वह सीज फायर की खबर को प्रमुखता से ले, या सीज फायर के बाद पाकिस्तान के हमले को प्रमुखता से लें। मीडिया में कई घंटे तक अनिश्चय की स्थिति बनी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि भाजपा आईटी सेल और नेशनल मीडिया ने बनाई थी। युद्ध विराम के बाद उस छवि पर विपरीत असर पड़ा है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी इमेज को बनाए रखने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व गुरु की जो छवि है, उसमें आघात लगा है। अमेरिका और चीन के दबाव में जिस तरह से भारत ने सीज फायर के प्रस्ताव को स्वीकार किया। उसके बाद सोशल मीडिया में 1971 का युद्ध, अमेरिका की धमकी, भारत की सेना का शौर्य और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के वीडियो वायरल होने लगे। आम लोगों में यह चर्चा होने लगी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय अमेरिका के दबाव में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में भारत सरकार ने यह फैसला लिया हैं। अमेरिका ने जब भारत के ऊपर टैरिफ लगाएं, भारत के नागरिकों को हथकड़ी लगाकर भारत वापस भेजा, उसके बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप रहे। भारत और पाकिस्तान के बीच जिस स्थिति में युद्ध विराम हुआ है। उसके बाद आम जनों के बीच निराशा देखने को मिल रही है। वहीं यह भी संतोष है कि पहलगाम की घटना का बदला भारत ने ले लिया है।

बच्चा रहे हमेशा कोंफिडेंट इसके लिए उसे बोलना सिखाएं ये 5 स्ट्रोंग लाइंस

कभी खुद को नहीं समझेगा किसी से कम
ऐसी कई पंक्तियां हैं जो अगर बच्चा रोजाना खुद से कहने लगेगा तो उसका आत्मविश्वास भी तेजी से बढ़ेगा. जानिए कौनसी हैं ये कोंफिडेंस बढ़ाने वाली बातें.

बहुत से बच्चे कम उम्र से ही कोंफिडेंट होते हैं. उन्हें किसी के सामने कुछ कहने या करके दिखाने में झिझक नहीं होती और ये बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. लेकिन, इस कोंफिडेंस की वजह क्या होती है? इस कोंफिडेंस की वजह होती है बच्चे का खुद पर विश्वास करना. यह विश्वास बच्चों में अपने अंतर्मन में कही बातों से भी आता है तो कई बार माता-पिता की बातें बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती हैं. अपने बच्चों को कोंफिडेंट बनाने के लिए आप भी उन्हें ऐसी पॉजीटिव बातें बोलना सिखा सकते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगे. खुद से ये स्ट्रोंग लाइंस बोलकर ना सिर्फ बच्चों का कोंफिडेंस बढ़ेगा बल्कि किसी भी मुश्किल घड़ी से निकलने का हौंसला भी उनमें आएगा.

मैं जैसा हूं वैसे ही प्यार के काबिल हूं
बच्चे का सेल्फ कोंफिडेंस बढ़ाने के लिए उसे यह पंक्ति सिखाई जा सकती है. बच्चों को समझाएं कि वे जैसे हैं वैसे ही मूल्यवान हैं और प्यार के काबिल हैं. अपनी सेल्फ वर्थ समझने के लिए उन्हें किसी की वेलिडेशन या रजामंदी की जरूरत नहीं है.

मैं परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं
किसी भी मुश्किल से निकलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है खुद पर विश्वास करना. माता-पिता को अपने बच्चे को यह बोलना जरूर सिखाना चाहिए कि वह किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता है. जब कोई मुश्किल आए तो बच्चे को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि मैं किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं. बच्चे का आत्मविश्वास) बढ़ने लगेगा.

मैं बहादुर हूं और मुझे हार नहीं माननी है
किसी परिस्थिति से पार पाने के लिए और हमेशा अपना बेस्ट देते रहने के लिए बच्चे को यह पंक्ति खुद से जरूर कहनी चाहिए. इससे बच्चे में कोंफिडेंस आता है. इससे बच्चा हार मानने के बजाय आगे बढ़ता जाता है.

मेरे विचार मैटर करते हैं
कई बार बच्चे किसी काम को इसलिए नहीं करते या फिर किसी के सामने अपनी बात रखने से झिझकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बात का कोई मूल्य नहीं है. लेकिन, बच्चे को यह समझाना और यह कहना सिखाना जरूरी है कि उसके विचार मैटर करते हैं. जब बच्चे खुद से यह कहने लगते हैं तो आत्मविश्वास के साथ अपनी बात को आगे रखना भी शुरू कर देते हैं.

मैं नई चीजें सीख सकता हूं
बच्चों को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि वह नई चीजें सीख सकते हैं. इससे बच्चे किसी काम को सीखने से घबराते नहीं हैं. बच्चों में इस पंक्ति को कहने पर नई चीजें सीखने का कोंफिडेंस आता है.

क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग, टीनेजर्स की परवरिश में आजमा सकते हैं यह यूनिक तरीका

आप टीनेजर बच्चों के माता-पिता हैं तो आपने पैरेंटिंग के अलग-अलग तरीकों के बारे में तो सुना ही होगा. लेकिन, क्या आप लाइटहाउस पैरेंटिंग के बारे में जानते हैं? यहां जानिए लाइटहाउस पैरेंटिंग क्या होती है और टीनेजर्स की परवरिश में कैसे काम आती है.

परवरिश के अलग-अलग तरीकों में से ही एक है लाइटहाउस पैरेंटिंग. असल में लाइटहाउस पैरेंटिंग एक तरह की बैलेंस्ड पैरेंटिंग अप्रोच है जिसमें बच्चों को प्यार, सपोर्ट और गाइडेंस दी जाती है लेकिन साथ-साथ बाउंडरीज मेंटेन करना भी जरूरी होता है. इस पैरेंटिंग स्टाइल में माता-पिता बच्चे को एक सुरक्षित वातावरण देते हैं जिसमें बच्चे खुद को बेहतर तरह से एक्सप्रेस कर सकते हैं. इसमें बच्चे माता-पिता से अपने मन की बातें बिना डरे कह पाते हैं. यहां जानिए क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग और इसे कैसे आजमाया जा सकता है.

बनाएं क्लियर नियम
लाइटहाउस पैरेंटिंग में आपको क्लियर रूल्स बनाने होते हैं. आपको नियम बनाकर यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चे इन्हें गंभीरता से फॉलो करें. वहीं, स्पष्ट होना भी जरूरी है, जैसे अगर आप चाहते हैं कि बच्चा अपना फोन इस्तेमाल ना करे तो सीधेतौर पर उसे कहें कि फोन इस्तेमाल ना करे. तानों के जरिए बात कहने की कोशिस ना करें.

कमजोरियों पर ना करें निंदा
अगर बच्चे की कोई कमजोरी है तो उसकी सीधेतौर पर निंदा ना करें बल्कि समझें और उसे भी समझाएं कि कमजोरियों से सीखने की जरूरत होती है. चाहे गलती हो या फिर कोई कमी, इसे पूरा करने पर ध्यान दें ना कि बच्चे की निंदा करके उसका मनोबल कमजोर करें.

कोशिश के दें पूरे नंबर
किशोरावस्था ऐसी उम्र है जिसमें बच्चे अलग-अलग कामों को सीखने की कोशिश करते रहते हैं और अक्सर एक्सपेरिमेंट्स करते हैं. ऐसे में अगर बच्चे किसी काम में बुरे भी निकलते हैं और कभी-कभी उन्हें हार का मुंह भी देखना पड़ता है. ऐसे में बच्चे को उसकी कोशिश और एफर्ट्स के पूरे नंबर दें. रिजल्ट क्या निकला या क्या नहीं इससे ज्यादा जरूरी है बच्चे का हौंसला बढ़ाना.

बहुत ज्यादा कठोरना ना अपनाना
इस पैरेंटिंग स्टाइल में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि माता-पिता बच्चे के साथ बहुत ज्यादा कठोरता नहीं बरत रहे हैं. इस उम्र में बच्चे से बहुत ज्यादा कठोर व्यवहार किया जाए तो बच्चों में एक तरह का डर गहराने लगता है जिससे वे अपनी परेशानियां तक पैरेंट्स से कहने से डरने लगते हैं.

हमेशा डांट-डंपटकर बच्चे को ना बनाएं दब्बू

इन तरीकों से बढ़ाएं बच्चे का कोंफिडेंस

अगर आपको भी अपने बच्चे में कोंफिडेंस की कमी नजर आती है तो यहां जानिए किस तरह उसमें आत्मविश्वास लाया जा सकता है. इस तरह बच्चे जीवन में कभी भी और किसी से भी पीछे नहीं रहते हैं.

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें, कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन दिखाएं, दोस्तों के बीच पॉपुलर रहें और कभी उन्हें किसी से कमतर महसूस ना हो. ऐसे में पैरेंट्स बच्चों को अक्सर अनुशासित करने के लिए डांट-डंपट भी देते हैं. लेकिन, इस सख्ती से होता यह है कि बच्चे का कोंफिडेंस कम होने लगता है और वह झेंपने लगता है. ऐसे में बच्चे की परवरिश में यह गलती आप बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसे वो काम सिखाएं या इस तरह उससे बर्ताव करें जिससे वह आत्मविश्वासी बने और किसी मुश्किल से कभी घबराए नहीं.

किसी काम को करने का सिखाएं सही तरीका
अक्सर ही बच्चों में कोंफिडेंस की कमी इसलिए देखी जाती है क्योंकि उन्हें कोई काम सही तरह करने में दिक्कत होती है या फिर वे इस काम को सही तरह से करना नहीं जानते जिसकी वजह से उनकी खिल्ली उड़ाई जाती है. ऐसे में आप बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे इन कामों को सही तरह से करना सिखा सकते हैं. इससे अपने यार-दोस्तों के सामने भी बच्चे का कोंफिडेंस बना रहता है.

बच्चे के विचारों को दबाएं नहीं – पैरेंट्स एक आम गलती यह कर देते हैं कि जब बच्चा अपने विचार उनके सामने रखता है तो वे उसकी बातों पर ध्यान नहीं देते. कई बार तो यह भी होता है कि बच्चा अगर थोड़ा भी खुलकर व्यवहार करता है तो पैरेंट्स उसे यह कहकर चुप करवा देते हैं कि इतराओ मत. ऐसे में बच्चे अपने आपको एक्सप्रेस करने से कतराने लगते हैं.

करें बच्चे की सराहना – बच्चा किसी चीज में बुरा होगा तो ऐसे भी बहुत से काम होंगे जिसमें वह सबसे अच्छा होगा या फिर जिन कामों को वह अच्छी तरह कर सकता है. इसीलिए बच्चे की सराहना करना जरूरी है. बच्चे को इससे कोंफिडेंस मिलता है और वह खुद को बेहतर करने की तरफ अग्रसर होता है.

घर पर ही करवाएं कोंफिडेंस बढ़ाने वाली एक्टिविटीज – आप बच्चे को घर में ही अपने मन की बात कहने के लिए, सबके सामने कुछ गाकर सुनाने या डांस करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं. बच्चे को जो कुछ अच्छा लगता है वह सभी के सामने करके दिखाने में कंफर्टेबल है या नहीं उससे पूछें. धीरे-धीरे बच्चे अगर घर के सदस्यों के सामने बोलना या अपनी खूबिया दिखाना शुरू करते हैं तो बाहरी लोगों के सामने भी उन्हें कोंफिडेंट महसूस होने लगता है.

इन 5 वजहों से माता-पिता की बात नहीं सुनते हैं बच्चे, समय रहते ध्यान देना है जरूरी

अक्सर ही बच्चे माता-पिता की बात को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं. ऐसे में पैरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे के इस तरह बर्ताव करने की क्या वजह हो सकती है.

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं होता है. पैरेंट्स बच्चों के बड़े होने तक खुद भी जीवन से जुड़ी अनेक नई बातें सीखते हैं और लगातार सीखते जाते हैं. लेकिन, इस पूरे सफर में पैरेंट्स ऐसी गलतियां भी करते हैं जिनसे बच्चे की परवरिश पर असर पड़ता है. कई बार माता-पिता को यह देखकर हैरानी होती है कि बच्चे उनकी बात नहीं सुन रहे हैं या बात को सुनकर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में कई बार पैरेंट्स को यह समझने में दिक्कत होती है कि बच्चों के इस बर्ताव की क्या वजह है. अगर आप भी बच्चों के इसी व्यवहार से परेशान हैं तो यहां जानिए किन वजहों से बच्चे माता-पिता की बात को अनसुना करने लगते हैं.

जरूरत से ज्यादा सख्ती
अगर माता-पिता बच्चे पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करने लगते हैं तो बच्चे उनकी बात सुनना बंद कर देते हैं. बच्चों को लगने लगता है कि पैरेंट्स की सख्ती से बचने का तरीका है उनकी बात ना मानना और आखिर में किसी भी बात को सुनने से इंकार कर देना. ऐसा बच्चे ज्यादातर पैरेंट्स से बदला लेने के लिए करते हैं.

हमेशा चिल्लाकर बात करना
पैरेंट्स अगर बच्चे पर हर समय ही चिल्लाते रहते हैं और उससे किसी भी काम को करने के लिए चिल्लाकर ही बात करते हैं तो इससे बच्चा घबरा जाता है. बच्चे को लगता है कि चुप रहकर और बातों को अनसुना करके ही खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं.

बहुत ज्यादा नियम
बच्चों पर अलग-अलग और ढेर सारे नियम थोप दिए जाने पर भी उन्हें अच्छा नहीं लगता है. बच्चे इन नियमों से तंग आकर पैरेंट्स की एक भी बात सुनना पसंद नहीं करते हैं और सोचते हैं कि इन नियमों के जवाब में अब वे हर काम को और हर बात को अनसुना कर देंगे.

अटेंशन के लिए भी करते हैं
कई बार बच्चे माता-पिता की बात इसलिए नहीं सुनते क्योंकि उन्हें अटेंशन चाहिए होता है. माता-पिता बच्चे पर ध्यान दें और उसके इस व्यवहार के लिए उससे आकर सवाल-जवाब करें इसीलिए बच्चे पैरेंट्स की बात नहीं सुनते, उन्हें इग्नोर करते हैं और उनसे उखड़ा-उखड़ा रवैया अपनाने लगते हैं.

बच्चे को होता है सेल्फ डाउट और खुद को समझता है सबसे कमतर

तो पैरेंट्स इन 4 तरीकों से बढ़ाएं उसका कोंफिडेंस

आपका बच्चा अगर खुद पर विश्वास नहीं करता है और सेल्फ डाउट से घिरा रहता है तो यहां जानिए किस तरह उसका आत्मविश्वास बढ़ाया जा सकता है.

माता-पिता को अक्सर लगता है कि बच्चों को जीवन में किसी तरह की परेशानी नहीं होती या फिर बच्चों पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती इसीलिए उन्हें हर स्थिति में खुश रहना चाहिए. लेकिन, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनसे बच्चे अकेले गुजरते रहते हैं. बच्चे खुद की तुलना दूसरे बच्चों से करने लगते हैं, हर किसी की डांट सुनकर खुद को सबसे कम समझने लगते हैं, उनपर अच्छी परफोर्मेंस का प्रेशर होता है तो साथ ही उनकी भावनाएं कई बार माता-पिता या दोस्त कोई नहीं समझ पाता जिससे बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं. इसके अलावा, अक्सर ही बच्चे सेल्फ डाउट में पड़ जाते हैं और अपना आत्मविश्वास खो देते हैं. ऐसे में माता-पिता बच्चे को समझते हुए उसे इस दुविधा से निकालने की कोशिश कर सकते हैं. अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा सेल्फ डाउट में रहता है, कोंफिडेंट फील नहीं करता और खुद को दूसरे बच्चों से कम समझता है तो यहां जानिए किस तरह बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की जा सकती है.

नकारात्मक बातों को दूर करना सिखाएं
बच्चे कई बार नकारात्मक और सकारात्मक बातों में अंतर करना नहीं जानते और इसीलिए कुछ बुरा भी हो तो उसे अपने अंदर दबाए रखते हैं. यही नकारात्मक बातें बच्चों को अंदर ही अंदर खाने लगती हैं. ऐसे में बच्चों को सिखाएं कि किस तरह नकारात्मक बातों को पहचानकर उनसे दूरी बनाई जा सकती है. नकारात्मक भावनाओं को दूर करके ही सेल्फ डाउट से छुटकारा पाया जा सकता है.

स्ट्रेंथ पर फोकस करना
बच्चे को उसकी स्ट्रेंथ पर फोकस करना सिखाएं. जिन कामों में बच्चा अच्छा है उन कामों में खुद को वह और कैसे बेहतर बनाए और किस तरह अपनी सफलताओं से कोंफिडेंट महसूस करे यह उसे बताएं. इससे आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही बच्चों में सकारात्मक विचारों का संचार होता है.

हार लेकर ना बैठना
बच्चा अगर अपनी गलतियों या हार के बोझ तले बैठा रहेगा तो यकीनन इससे उसका आत्मविश्वास कम होगा. ऐसे में बच्चे को सिखाएं कि जीवन में जीत और हार लगे रहते हैं, लेकिन हार को लेकर बैठना और खुद को हारा हुआ महसूस करना सही नहीं है. हार से सीखना और आगे बढ़ते रहना जरूरी होता है.

आत्मनिर्भर होना
अगर बच्चे को लगता है कि वह कोई भी काम खुद से नहीं कर सकता या फिर उसे हर काम को करने के लिए किसी की जरूरत है, तो यह उसकी लो सेल्फ एस्टीम को दर्शाता है. ऐसे में पैरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे कम उम्र से ही बच्चे को आत्मनिर्भर होना सिखाएं. कम से कम छोटे-मोटे काम और जिम्मेदारियां बच्चा खुद उठाने लगे जिससे उसके सेल्फ कोंफिडेंस में वृद्धि हो.

छत्तीसगढ़ के बाल संप्रेक्षण गृह से छह अपचारी बालक फरार, चौबीस घंटे बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में एक संप्रेक्षण गृह से शनिवार को छह अपचारी बालक गार्ड की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंककर भाग निकले। इस घटना से हड़कंप मचा हुआ है। इसकी सूचना शाम को थाने में दी गई ।पुलिस फरार अपचारी बालकों की तलाश में जुट गई है। यह तीन माह में दूसरी घटना है। इससे बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के गंगापुर स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से शनिवार दोपहर तीन बजे के आसपास छह अपचारी बालकों ने सुरक्षा में तैनात गार्ड के आंखों में मिर्ची झोंककर फरार हो गए। घटना के बाद हड़कंप मच गया। गार्ड ने इसकी सूचना अपने उच्च अधिकारियों को दी। इसके बाद बाल संप्रेक्षण के प्रभारी ने इसकी सूचना अधीक्षक को दी। अधीक्षक और अन्य गार्डों ने आसपास के इलाकों में फरार बालकों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जिसके बाद शनिवार देर शाम घटना की सूचना गांधीनगर पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि, फरार अपचारी बालकों में से एक सरगुजा, एक जांजगीर और अन्य सूरजपुर जिले के हैं।

सरगुजा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने आज रविवार को बताया कि शनिवार दोपहर में अपचारी बालक के भागने की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस अपचारी बालकों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। उनके ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है, लेकिन अभी तक फरार अपचारी बालकों का पता नहीं चल सका है। पुलिस जल्द ही सभी अपचारी बालकों को तलाश कर हिरासत में ले लेगी।

न्यूज ब्रीफ

राहुल के बाद खरगे ने लिखा पत्र- संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपना आग्रह व्यक्त किया था। कांग्रेस के दोनों नेताओं ने यह मांग हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के संदर्भ में उठाई है। राज्यसभा विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने पत्र में कहा, सभी विपक्षी पार्टियों ने विशेष सत्र की मांग की है, ताकि हम इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह समय एकजुटता दिखाने का है और सरकार को गंभीरता से इस मांग पर विचार करना चाहिए। खरगे ने कहा कि देशहित में यह आवश्यक है कि सभी राजनीतिक दल मिलकर काम करें। इससे पहले कल लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपना आग्रह व्यक्त किया था। उन्होंने अपने पत्र में कहा, यह जरूरी है कि लोग और उनके प्रतिनिधि पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और हाल के संघर्ष विराम पर चर्चा करें। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि इस अवसर का उपयोग हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने के लिए किया जाना चाहिए। इस बीच, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आज पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने केंद्र सरकार को समर्थन दिया है। कल की घटना क्रम को लेकर उन्होंने कुछ सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या भारतीय सरकार ने अमेरिका की मध्यस्थता स्वीकार की है। पायलट ने कहा, यह पहली बार हुआ है जब अमेरिका ने संघर्ष विराम की घोषणा की है।

मौत के बाद की अवस्था में पहुंचे शख्स ने सुनाए अपने अनुभव

न्यूयार्क। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में रहने वाले स्टीव कांग ऐसे ही शख्स हैं, जिन्होंने खुदकुशी की कोशिश के बाद मौत के करीब पहुंचकर एक ऐसा अनुभव किया, जो किसी भी इंसान की रूह कंपा सकता है। स्टीव का दावा है कि आत्महत्या की कोशिश के बाद जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया, तो वह ऑपरेशन टेबल पर मृत घोषित कर दिए गए थे। हालांकि 8 घंटे बाद उन्होंने फिर से होश में आकर सबको चौंका दिया। लेकिन जो उन्होंने उस दौरान महसूस किया, वह किसी डरावने सपने से कम नहीं था। स्टीव बताते हैं कि जब वह मौत के बाद की अवस्था में पहुंचे, तो खुद को एक अंधेरी, सुनसान और चट्टानी जगह पर पाया। वहां कोई रोशनी नहीं थी, न पेड़ थे और न ही कोई इंसानी गतिविधि। इस वीरान स्थान में उन्हें सैकड़ों आत्माएं दिखीं और कई विशालकाय, काले वस्त्रों में लिपटी हड्डी जैसी आकृतियां दिखीं, जो उन्हें घूर रही थीं। स्टीव ने महसूस किया कि वे आकृतियां नरक की शक्तियां थीं और वह खुद अपने पापों की वजह से वहां फंसे थे।

पंजाबः मलेरकोटला से पकड़े गए दो पाकिस्तानी जासूस, पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी के लिए कर रहे थे काम

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने राज्य के मलेरकोटला से दो पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया है। इन पर पाकिस्तानी उच्च आयोग के कार्यालय के एक अधिकारी को सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारियां मुहैया करवाने का आरोप है। इसके बदले में उन्हें ऑनलाइन पेमेंट मिलती थी। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि एक सूचना के आधार पर मलेरकोटला से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसने पूछताछ में अपने दूसरे सहयोगी के बारे में बताया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके उनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनसे पूछताछ करके पता लगाया जा रहा है कि वह कब से गोपनीय जानकारियां लीक करने का काम कर रहे थे और वह अब तक किस तरह की जानकारियां पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को मुहैया करवा चुके हैं। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पकड़े गए दोनों आरोपित अपने हैंडलर के लगातार संपर्क में थे ।

आतंकवाद कुत्ते की पूंछ, ब्रह्मोस ने दिया करारा जवाब : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ से मुख्यमंत्री और नई दिल्ली से रक्षा मंत्री ने वर्चुअली किया ब्रह्मोस उत्पादन इकाई का शुभारंभ

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेकहा कि पाकिस्तान और आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी नहीं होने वाली। आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सभी को मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के पराक्रम की एक झलक देखी होगी और अगर नहीं देखी तो पाकिस्तान के लोगों से ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत के बारे में पूछिए। हम आतंकवाद को पूरी तरह से कुचलने के लिए तैयार हैं और उसे उसकी ही भाषा में जवाब देंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां उप्र डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर दुनिया की सबसे विध्वंसक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की उत्पादन इकाई के शुभारंभ के मौके पर संबोधित कर रहे थे। नई दिल्ली से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वर्चुअली और लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संयुक्त रूप से ब्रह्मोस उत्पादन इकाई का शुभारंभ किया। इस मौके पर

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐलान किया है कि आगे से आतंकवाद की कोई भी कार्रवाई युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। जब तक हम इसे पूरी तरह से कुचल नहीं देते, आतंकवाद की समस्या का समाधान नहीं हो सकता। अब ऐसा हुआ तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान में पल रहे आतंकवाद के खात्मे के लिए इससे बड़ा प्रहार होगा।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है और यह रक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। योगी ने तीनों सेनाओं को ऑपरेशन सिंदूर में योगदान के लिए बधाई दी और कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल अब लखनऊ में बनेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रक्षा क्षेत्र में सर्वांगीण विकास हो रहा है और इसमें 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश लाने और एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। यूपी को देश की सबसे बड़ी और तेज़ी से विकासशील इकोनॉमी बन रहा है। अब यूपी बीमारू राज्य नहीं रहा। यूपी में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे और मेट्रो संचालित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिफेंस कारीडोर के रूप में आज का दिन महत्वपूर्ण है। लखनऊ के अलावा छह डिफेंस कोरीडोर स्थापित हुए हैं। वर्ष 2019 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घोषणा थी कि ब्रह्मोस मिसाइल के साथ डिफेंस मन्यू ?फैक्चरिंग में उप्र की भूमिका अहम होगी, आज उनकी बात पूरी हो रही है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस उत्पादन कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर 26 अभ्यर्थियों को यहां नियुक्ति दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच ट्रेनी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंप कर बधाई दी।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, औद्योगिक मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद बृजलाल, विधायक राजेश्वर सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के अलावा डीआरडीओ के सचिव व प्रोजेक्ट डायरेक्टर आदि उपस्थित रहे।

इमरान खान की पार्टी पहुंची हाईकोर्ट, कहा- उन्हें रिहा किया जाए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में मौत की कथित अफवाहों के बीच उनकी पार्टी इस्लामाबाद के हाईकोर्ट पहुंच गई है। उन्होंने अदालत से कहा कि जेल में इमरान को जान का खतरा है। इसलिए उन्हें रिहा कर दिया जाए। उधर पाकिस्तान की सरकार ने उनकी जेल में मौत की अफवाह पर सफाई देते हुए कहा कि इमरान जेल में सुरक्षित हैं।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस समय रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर अफवाह फैली की उनकी जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

उनकी मौत का फर्जी वीडियो वायरल होते ही खलबली मच गई। इस संबंध में पाकिस्तान सरकार की कथित तौर पर एक फर्जी रिलीज भी वायरल होने लगी। इसके बाद पाकिस्तान की सरकार तुरंत हरकत में आई। सरकार ने साफ किया कि इमरान खान जेल में सुरक्षित हैं। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील भी की। उधर इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी भी सक्रिय हो गई।दावा है पार्टी के नेता अली अमीन ने शनिवार को इस्लामाबाद के हाईकोर्ट में आवेदन दिया है। उसमें कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते आदियाला जेल में ड्रोन हमले की आशंका है।

भारत के ऐक्शन से घबराया पाकिस्तान, परमाणु हमले पर लिया यू-टर्न

भारत की कड़ी कार्रवाई से पाकिस्तान में खौफ में आ गया है। कई दिनों से परमाणु हमले की गीदड़भभकी देने वाले पाक ने अब यूटर्न लेते हुए कहा है कि इस विकल्प पर विचार नहीं किया जा रहा है। भारत के ऐक्शन से पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, मैं दुनिया को बता रहा हूं कि यह केवल क्षेत्र तक सीमित नहीं रहने वाला है, यह बहुत व्यापक विनाश हो सकता है। ख्वाजा आसिफ ने कहा, भारत द्वारा पैदा की जा रही स्थिति को देखते हुए हमारे विकल्प कम होते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नेशनल कमांड अथॉरिटी की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। नेशनल कमांड अथॉरिटी पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर परिचालन संबंधी निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है।

हर संकट की घड़ी में दोस्त बनकर भारत के साथ खड़ा रहा इजराइल

तेलअवीव

पाकिस्तान के साथ संघर्ष के समय इजरायल खुलकर भारत के साथ खड़ा दिख रहा है। इजरायल पहले ही दिन से बिना शर्त भारत को समर्थन दे रहा है। इतना ही नहीं, पहलगाम आतंकी हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर अपनी संवेदना जताकर हर संभव मदद का भरोसा भी दिया।

एक वरिष्ठ इज़रायली रक्षा अधिकारी ने बताया, मित्र मुसीबत के समय अपना असली रंग दिखाते हैं और भारत एक सच्चा मित्र साबित हुआ। कई रक्षा मंत्रालयों ने हमसे मुंह मोड़ लिया। युद्ध की शुरुआत में, लगभग सभी इज़रायली उत्पादन को आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेज) की जरूरतों के लिए रि-डायरेक्ट किया गया था, और हमने देशों से डिलीवरी में फ्रैक्सिबिलिटी के लिए कहा था। अधिकांश ने हमें ठंडा जवाब दिया था, लेकिन भारत ने नहीं।

वे हमारे साथ खड़े रहे।उन्होंने कहा, हम लगातार कश्मीर में घटनाक्रमों की निगरानी कर रहे हैं। यहां तक कि जब दुनिया कहीं और केंद्रित होती है, तब भी लगभग हर हफ्ते वहां झड़पें होती हैं।

इजरायल के कुल हथियार निर्यात का 41 प्रतिशत सिर्फ भारत को होता है। इसके बाद भारत इजरायली रक्षा उद्योग के लिए अब तक का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना बड़े पैमाने पर इजरायली हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल करती हैं।

भारत, इजरायल में बनी हुई टावोर टार-21 असाल्ट राइफल, माइक्रो उजी सब-मशीनगन, गलिल 7.62 स्नाइपर राइफल, नेगेव एनजी-5 मशीनगन, बी-300 एंटी टैंक रॉकेट लॉन्चर, बराक-8 मिसाइल, एम-46 हॉवित्जर, स्पाइक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, स्पाइडर एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल, हेरोन ड्रोन, स्पाइस-2000 बम जैसे कई अन्य हथियारों का इस्तेमाल करता है।

नीला केला कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर

वाशिंगटन

नीला केला, जिसे ब्लू जावा बनाना या आइसक्रीम बनाना कहा जाता है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में उगता है। यह नीला केला बेहद मलाईदार होता है। भारत में इस केले की कीमत 348 रुपए से शुरू होती है। नीला केला कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें पोटैशियम, विटामिन सी और विटामिन बी 6 पाया जाता है। पोटैशियम की वजह से यह दिल के काम को दुरुस्त रखता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। विटामिन सी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जिससे शरीर में किसी भी प्रकार की बीमारी जल्दी नहीं आती। आजकल अधिकांश लोग तनाव से घिरे रहते हैं। जब कोई व्यक्ति तनाव में होता है, तो उसके शरीर में स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए नीला केला एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें मौजूद विटामिन बी 6

ब्रेन के लिए अच्छा होता है और यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है। इससे इंसान ऊर्जा से भरपूर महसूस करता है। ब्लू जावा बनाना में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को स्वस्थ रखता है। यदि किसी को कब्ज, गैस या ब्लोटिंग की समस्या हो, तो नीला केला बहुत फायदेमंद हो सकता है। आप इसे दूध के साथ भी खा सकते हैं। अगर आप मोटापे से परेशान हैं और कई डाइट ट्राई करने के बाद भी परिणाम नहीं मिल पाए, तो नीला केला आपके लिए एक अच्छे विकल्प के रूप में सामने आता है। जानकारी के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों को अक्सर केला खाने से मना किया जाता है ।

गूगल मैप्स ने मैक्सिको को दिखाया 'अमेरिका की खाड़ी', लोग हुए नाराज, नाराज मेक्सिको की राष्ट्रपति ने गूगल पर कराया मुकदमा दर्ज

मेक्सिको। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबान गूगल पर भड़क गईं। वजह थी गूगल मैप्स में उनके देश की खाड़ी को 'अमेरिका की खाड़ी' दिखाया गया है इस पर उन्होंने गूगल पर मुकदमा दर्ज कराया है। गलत मैप दिखाने से मैक्सिको के लोग काफी नाराज हैं। मैक्सिको ने शुक्रवार को बताया कि 'मुकदमा पहले ही दर्ज करवा दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कब और कहां ये मुकदमा दर्ज करवाया गया है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इससे पहले फरवरी में मैक्सिको की राष्ट्रपति की तरफ से गूगल की पैरेंट कंपनी को चेतावनी दी गई थी। शिनबान कानूनी सलाह ले रही हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका के हाउस आफ रिप्रजेंटिटव्स ने मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने की मंजूरी दे दी थी। वोटिंग के दौरान सभी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने इस प्रस्ताव को समर्थन किया। वहीं, डेमोक्रेट्स प्रतिनिधियों ने इसका समर्थन किया है। बता दें, यह डोनाल्ड ट्रंप की पॉलिसी का असर है।

ब्रीफ न्यूज़

फूल माली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 9 जोड़े बंधें परिणय सूत्र में समाजसेवियों तथा अतिथियों ने सम्मेलन में पहुंचकर वर वधु को दिया आशीर्वाद

सारंगपुर। सकल पंच फूल माली समाज के तत्वाधान में रविवार को बागकुआ टंकी स्थित पुष्प वाटिका फूलमाली समाज धर्मशाला में समाज अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद के मुख्य अतिथ्य एवं सम्मेलन अध्यक्ष अमित पुष्पद के नेतृत्व में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के 9 जोड़ो का विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वर वधुओं का विवाह संपन्न कराया गया सम्मेलन समिति द्वारा वर वधु को घर गृहस्थी का सामान कन्यादान में दिया गया। सम्मेलन में नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल समाज अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद काका पार्षद गोपाल पाल सुनील बागवान राकेश पुष्पद किडी पंचायत अध्यक्ष प्रेम नारायण पुष्पद पूर्व समाज अध्यक्ष रामचरण पुष्पद भेरू दरवाजा पंचायत अध्यक्ष धन सिंह पुष्पद खारिया पंचायत अध्यक्ष रवि पुष्पद बागकुआ टंकी पंचायत अध्यक्ष कैलाश वर्मा मुकेरवाड़ी पंचायत कार्यकारी अध्यक्ष राजेश पुष्पद पछेटवाडी पंचायत अध्यक्ष कैलाश पुष्पद भगत समाज सचिव गोरीलाल बंसीलाल पुष्पद वैभव पुष्पद राजु पुष्पद मांगीलाल पुष्पद विनोद पुष्पद अंकित पुष्पद सहित अन्य समाज जनो ने वर वधु को सफल दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया कार्यक्रम का संचालन रामनारायण पुष्पद ने किया तथा आभार सम्मेलन अध्यक्ष अमित पुष्पद सुहानी ने माना इस दौरान नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन की अध्यक्षता में मुस्कान कार्यक्रम की समीक्षा की गई

खंडवा। म.प्र. शासन के दिशा निदेर्शानुसार खंडवा में शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एन.क्यू.ए.एस.) के अनुसार संचालित करने हेतु श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा के सिविल सर्जन कक्ष में एस.एन.सी.यू. पी.आई.सी.यू, पीडियाट्रिक वार्ड, पीडियाट्रिक ओ.पी.डी, एवं एन.आर.सी.के एमओ इंचार्ज एवं सिस्टर इंचार्ज की बैठक सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल की अध्यक्षता में संपन्न हुई' उनके द्वारा मुस्कान कार्यक्रम की समीक्षा कर बताया कि नेशनल एसेसमेंट के पूर्व सभी कर्मचारी अपने-अपने वार्ड की चेक लिस्ट भरें, जो कमियां है उसकी डिमांड बनाकर दें, ताकि नेशनल मुस्कान कार्यक्रम के एसेसमेंट की तैयारी की जा सके ' डॉ. भूषण बांडे शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को एन.आर.सी. में भर्ती करने के मापदंडों की जानकारी देते हुए एम.यू.ए.सी. नाप, ऊंचाई, वजन एवं कुपोषित बच्चों को पहचानने संबंधी जानकारी दी गई। बैठक में डॉ. कृष्णा वास्केल शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. हेमंत गर्ग शिशु रोग विशेषज्ञ, आर.एम.ओ. डॉ. एम.एल. कलमे, डॉ. सुजीत वर्मा दंत रोग विशेषज्ञ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामों में जल संरक्षण की शपथ दिलाई

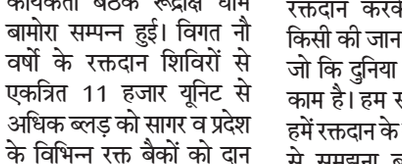

खरगोन। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आशापुर सेक्टर ग्राम सिरसिया, मक्षी, टेकवा, बडवेल व बाकानेर में तहसील महेश्वर में जिला समन्वयक के निदेर्शानुसार कार्यक्रम का आयोजन जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था खराडी द्वारा जल बचाव की शपथ दिलाई गई। इस दौरान जल के महत्व को ग्रामीणों को बताया गया औ? कहा गया कि जल है तो जीवन है। हमें दैनिक जीवन में जितने जल की आवश्यकता हो उतना ही जल उपयोग करना चाहिये। हमेशा साफ-पानी का सेवन करना चाहिये। जिससे परिवार के सदस्य को कोई बी मारी न हो। साथ ही जल बचाव की शपथ दिलाई गयी।

जैनत्व बाल युवा शिक्षण शिविर के द्वितीय दिन हुआ आज की अदालत का मंचन

दीनबन्धु, विदिशा।
dinbandhunews.com

जिन देशना प्रथम आध्यात्मिक जैनत्व बाल युवा शिक्षण शिविर के द्वितीय दिन बच्चों एवं युवाओं में खासा उत्सव देखने मिल रहा है।शिविर की शुरूआत प्रातः भगवान के प्रक्षाल ,संगीतमय पूजन के साथ ,प्रारंभिक कक्षाएं संचालित की गई। निखिल भैया मुम्बई द्वारा आज छहडाला ग्रंथ पर प्रकाश डाला। छहढाला ग्रंथ पण्डित दौलतरामजी द्वारा रचित है।इसमें 16 छन्द व 6 अधिकार है।छहढाला में 3 मुख्य बातों का वर्णन है।निखिल शास्त्री द्वारा बताया गया कि छहडाला में मुख्यता दुःख क्या है ,दुःख का कारण क्या है और दुःख से छूटने के उपाय के बारे में बताया है। जिसमे संसार होने वाले दुखों का वर्णन हुआ और बताया गया कि कैसै कैसे, जीव । अपने आप को भूल कर इस संसार में भ्रमण कर रहा है। श्री गुरु कहते है कि जो जीव स्व

और पर का, भे का भेद ज्ञान करेगा, और अपनी भूल सुधारे सुधारे गा वह जीव सुखी हो सकता है।प्रवक्ता शोभित जैन ने बताया कि सांयकालीन कार्यक्रम में भक्ति के पश्चात कक्षायें संचलित की गई।जिसमें सभी ने अपने अपने कक्षाओं के अनुरूप विभिन्न विषयों पर अध्ययन किया।तत्पचात सचि बड़कुल द्वारा संचालित 20 बच्चों के साथ संचलित नाटक आज की अदालत का मंचन किया गया।जिसमें बच्चों द्वारा धर्म और विज्ञान में क्या समानता है और आज का परिभेष ओर परिणाम क्या है उस पर चर्चा हुई। जैन धर्म दुनिया को पानी छान ल कर पीने के लिये बोलता आ रहा है तो आज विज्ञान भी मिनरल वाटर,आर रो आदि का प्रयोग करने को कह रहा है।इसी प्रकार जैन धर्म और विज्ञान में जीव,तत्व,द्रव्य,पुद्गल आदि पर समतल

बैठ रहा है।विज्ञान आज जिस सूक्ष्म जीवों पर रिसर्च कर रहा है वो पहले ही हमारे प्राचीन ग्रंथों में लिपि बद्ध है।प्रवक्ता शोभित जैन ने बताया कि शिविर संचालन समिति में कार्यक्रम का संचालन चिरंतन बड़कुल,पूजन संचलान चिरंतन,काव्य , आदि एवं कक्षा 1 का संचालन सुधार्शना जैन,प्रेरक जैन, काव्य जैन।कक्षा 2 ध्रुव बड़कुल आदि सिंघई,कक्षा 3 अशेष मोदी,प्रवचन निखिल भैया जी, मुंबई द्वारा किया जा रहा है। सायंकालीन भक्ति का संचालन चिरंतन बड़कुल, काव्य जैन।स्वल्पाहार व्यवस्था गगन जैन, हर्षित मोदी, आदि जैन।ऑटो व्यवस्था कपिल जैन, स्वप्निल पटेल, जैनम जैन देख रहे है।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे है।

पूर्व विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने कहा- हमारी सेना में महिलाओं की संख्या बढ़ाई जाना चाहिए

दीनबन्धु, इंदौर
dinbandhunews.com

इंदौर में अभ्यास मंडल की व्याख्यानमाला में पूर्व विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने सेना में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने 25% महिला भागीदारी की मांग की और बताया कि कैसे महिला अधिकारियों ने कठिन ट्रेनिंग झेली, भेदभाव से लड़ी और सेना में विश्वास अर्जित किया। इंदौर में अभ्यास मंडल की 64वीं व्याख्यानमाला का शुभारंभ हो चुका है। रविवार को वायुसेना की पूर्व विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने भारतीय सेनाओं में महिलाओं की भूमिका विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सेना में महिलाओं की स्थिति अच्छी है, लेकिन उनकी संख्या बढ़ाई जाना चाहिए। कम से कम 25 प्रतिशत महिलाएं

सेना में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेना विश्व की सबसे बेहतर है, क्योंकि ट्रेनिंग के साथ हमारी सेना में जज्बा भी है। उन्होंने कहा कि 33 सालों के बाद अब महिलाओं को सेना अध्यक्ष बनते हुए देखेंगे। एनडीए के जरिए भी सेना में महिलाएं जा रही हैं। महिलाओं को ट्रेनिंग देकर सेना उन्हें एक धरोहर बनाती है और वे बेहतर तरीके से काम करती हैं। पूर्व विंग कमांडर आचार्य ने बताया कि सेना में भर्ती के समय नेतृत्व श्रमता, समस्याओं से निपटने का तरीका, सकारात्मकता देखी जाती है। जब सेना में महिलाओं के लिए भर्ती निकली गई तो पद नौ थे, लेकिन अभ्यर्थी पचास हजार। पहली बार में तो मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ, लेकिन दूसरी बार एयरफोर्स एकेडमी में चयन हुआ। एयरफोर्स ने पहली बैच की महिला अधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारियों ने बेटियों जैसा रखा, लेकिन ट्रेनिंग में कोई भेदभाव नहीं किया। हमें पुरुषों की तरह सख्त ट्रेनिंग दी गई। हम वर्दी पहनते हैं तो डर गायब हो जाता था, लेकिन महिला अधिकारियों को परमानेंट सर्विस कमीशन के लिए कोर्ट तक लड़ाई लड़ना पड़ी, लेकिन हमारी जीत हुई। उन्होंने बताया कि महिला अधिकारियों पर सैनिक ज्यादा विश्वास करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा-जल संरक्षण के लिए हमारी सरकार ने सबसे ज्यादा काम किए

दीनबन्धु, इंदौर
dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जल ही जीवन है। देवी अहिल्या बाई ने भी कई क्षेत्रों में कुएं बावड़ी का निर्माण कराया। इंदौर जिले में देवी अहिल्या द्वारा बनाई गई बावड़ी का जीर्णोद्धार हमारी सरकार ने किया है। जनता भी जल सरंक्षण में सहभागी बन रही है प्रदेश के मुख्यमंत्री रविवार को इंदौर यात्रा पर आए। उन्होंने विमानतल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने शिवरात्रि से जल गंगा सरंक्षण अभियान तीन माह के लिए चलाया है और उससे जनता जुड़ी है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद जल के मामले में सबसे ज्यादा काम हुए। हमारी सरकार ने जल गंगा संरक्षण अभियान, शिवरात्रि से चलाया है। हमारी सरकार ने जल के मामले में काफी काम किया है। विश्व के पहले नदी जोड़ो अभियान को अंजाम दिया। केन-बेतवा नदी जोड़ो, काली सिंध, पार्वती परियोजना के अलावा महाराष्ट्र सरकार के साथ तापी नदी के लिए भी काम किया । तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना के लिए हमने महाराष्ट्र सरकार के साथ करार किया है। इससे मध्य प्रदेशके किसानों को सिंचाई से फायदा होगा। महाराष्ट्र के किसानों को भी इस योजना का फायदा मिलेगा। हमे इस बात का भी संतोष है कि जल सरंक्षण से जुड़े दो आयोजनों में प्रधानमंत्री ने शामिल होकर सरकार को आशीर्वाद दिया है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जल ही जीवन है। देवी अहिल्या बाई ने भी कई क्षेत्रों में कुएं बावड़ी का निर्माण कराया। इंदौर जिले में देवी अहिल्या द्वारा बनाई गई बावड़ी का जीर्णोद्धार हमारी सरकार ने किया है। उसे भी मैं देखने जा रहा हुं। इंदौर की जनता भी जल सरंक्षण में सहभागी बन रही है।

सीएम डॉ. यादव ने वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के जल क्षेत्र में छोड़े कछुए

भोपाल। वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नन्हे कछुओं को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़कर संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत दिवस भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीवों के संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान वन विहार राष्ट्रीय उद्यान से सटे भोज ताल के जल क्षेत्र में कुछ नन्हे कछुओं को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कछुओं की प्रजातियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन विहार के अन्य प्राणियों के रखरखाव और पर्यटन विकास के लिए किए गए प्रयासों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन्य प्राणियों के रखरखाव और देखभाल में संलग्न स्टॉफ उपस्थित था।

नागरिक सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों का नामांकन करवाए सभी जिले: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने सभी जिलों के कलेक्टर्स को स्वयंसेवकों की भर्ती के संबंध में दिए निर्देश

दीनबन्धु, नर्मदापुरम
dinbandhunews.com

रविवार को मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में सभी जिलों के कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक तथा जिला होमगार्ड कमांडेंट कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सिविल डिफेंस अधिनियम-1968 एवं सिविल डिफेंस रेग्यूलेशन-1968 अंतर्गत नागरिक सुरक्षा हेतु स्वयंसेवकों का नामांकन/भर्ती के संबंध में समीक्षा बैठक ली गई। जिससे नागरिक सुरक्षा के आपातकालीन एवं आपदा प्रबंधन के समय इनका उपयोग एवं उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने बताया कि वर्तमान आकस्मिक परिस्थितियों को देखते हुए गृह विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वयंसेवकों के नामांकन के निर्देश दिये गए है। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि कम से कम प्रत्येक ग्राम पंचायत से दो स्वयंसेवकों, प्रत्येक नगरीय निकाय के वार्डों से 2 से 5 स्वयंसेवकों की भर्ती सुनिश्चित करवाई जावे, जिससे जिलों के सभी क्षेत्रों में स्वयंसेवक उपलब्ध रह सकें।श्री जैन ने कहा कि स्वयंसेवकों की भर्ती के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि उनकी आयु 18 वर्ष से अधिक हो। स्वयंसेवकों की भर्ती के लिए प्रपत्र में जानकारी अद्यतन कर शान द्वारा निर्धारित किए गए पोर्टल पर अपलोड की जाए। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि स्वयंसेवकों की भर्ती में भूतपूर्व सैनिकों, सीनियर एनसीसी के सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सदस्य, निजी सुरक्षा एजेंसियों के लोगों को भर्ती प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।

भोपाल में रविवार को सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल शहर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई अभियान के तहत नगर निगम के अधिकारियों को भोपाल के समस्त नाले-नालियों की सफाई के निर्देश दिए।

पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में लगेगा रक्तदान शिविर

16 से 19 मई तक होटल दीपाली परिसर में आयोजित होगा विशाल रक्तदान शिविर

दीनबन्धु, सागर
dinbandhunews.com

पूर्व गृहमंत्री, वरिष्ठ विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चार दिवसीय रक्तदान शिविर 16/17/18/19 मई, को दीपाली होटल परिसर में आयोजित किया जायेगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर युवा भाजपा नेता श्री अविराज सिंह की अध्यक्षता में युवा कार्यकर्ता बैठक रूद्राक्ष धाम बामोरा सम्पन्न हुई। विगत नौ वर्षो के रक्तदान शिविरों से एकत्रित 11 हजार यूनिट से अधिक ब्लड़ को सागर व प्रदेश के विभिन्न रक्त बैकों को दान किया जा चुका है। युवा कार्यकर्ता बैठक को संबोधित

करते हुए युवा भाजपा नेता श्री अविराज सिंह ने बताया कि हम सभी युवा एक विचारधारा को आगे बढ़ा रहे है, जिसका ध्येय ह्यह्यसेवा परमो धर्मःह्यह्य है। रक्तदान करके निःसंदेह हम किसी की जान बचा रहे होते है, जो कि दुनिया का सबसे महान काम है। हम सभी युवा है और हमें रक्तदान के महत्व को गहराई से समझना बहुत जरूरी है। रक्तदान करने से हम किसी की जान तो बचा ही रहे होते है साथ ही हमारे शरीर को भी कई तरह से इसका लाभ होता है ऐसा स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है। उन्होंने कहा कि इस दौर में रासायनिक तत्वों, कीटनाशकों, मिलावटी वस्तुओं और प्रोसेस्ड फूड के चलन ने कैंसर कारक तत्वों की मात्रा सबके शरीर में बढ़ा दी है। रक्तदान वह तरीका है जो रक्त की शुद्धता करता है और शरीर रीफ्रेश हो जाता है। रक्तदान करने से बहुत सी बीमारियों से बचा जा सकता है। अविराज सिंह ने कहा कि भूपेन्द्र भैया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाला यह 10वां रक्तदान शिविर होगा और पिछले नौ शिविरों में लगातार करते आ रहे रक्तदानियों का सागर में एक बड़ा समूह है जो इस पुण्य कार्य को लगतार करके स्वस्थ और सानन्द है। ऐसे रक्तदानियों से हम युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिए। युवाओं को संबोधित करते हुए श्री अविराज सिंह ने कहा कि मुझे भी रक्तदान का अवसर मिलेगा और मैं रक्तदान शिविर के दूसरे दिवस 17 मई को अपने युवा साथियों के साथ रक्तदान करूगां। उन्होंने कहा कि हम सभी युवाओं को समझना होगा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अपने युवा अवस्था के कौन से किस्से सुनाना चाहेंगें। क्या हम यह बतायेंगे।

डॉ. हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2025 का पोस्टर विमोचित

न्याय की राह पर युवा मस्तिष्कों का संग्राम

दीनबन्धु, सागर
dinbandhunews.com

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के विधि विभाग द्वारा दिनांक 14 एवं 15 मई को आयोजित होने जा रही डॉ. हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2025 के पोस्टर का आज विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर नीलीमा गुप्ता द्वारा विमोचन किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर नीलीमा गुप्ता ने कहा, कि मूट कोर्ट प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए न्याय की अवधारणाओं को समझने और आत्मसात करने का एक उपयुक्त मंच है। इससे उनमें न केवल

विधिक कौशल का विकास होता है, बल्कि वे एक न्यायोन्मुख समाज के प्रति अपने दायित्व को भी समझते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के बीच विधिक तार्किकता, भाषण-कौशल एवं न्यायिक प्रक्रिया के प्रति समझ को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रतियोगिता में विजेताओं को कुल 13,000 के पुरस्कार रखे गए हैं। प्रतियोगिता के अध्यक्ष विधि विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर विनोद भारद्वाज हैं। उन्होंने इस अवसर पर मूट कोर्ट कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जानकारी दी और कहा कि इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कौसल विकसित होती है। विद्यार्थियों को संस्था से ही न्यायालयी प्रक्रिया का ज्ञान भी होता है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में मूट कोर्ट समिति के संयोजक श्री विवेक दुबे एवं सह-संयोजक डॉ. अभिषेक दीक्षित के साथ साथ भी मूट कोर्ट समिति के छात्र सदस्य भी उपस्थित रहे।

खरगोन-मंदसौर और शहडोल में टीन शेड उड़े, कई जगह गिरे पेड़

भोपाल समेत कई जिलों में जोरदार, आंधी-बारिश: अशोकनगर में ओले

अशोकनगर

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

रविवार को मंदसौर और अशोकनगर में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। मध्यप्रदेश में रविवार को दोपहर बाद फिर मौसम बदला। इस दौरान भोपाल के कोलार इलाके समेत कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। मंदसौर, शहडोल, खरगोन और अशोकनगर में दोपहर 1 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। अशोकनगर में ओले गिरे। आंधी के कारण खरगोन में कई स्थानों पर टीन शेड उड़ गए, जबकि कुछ जगह पेड़ उखड़े हैं। सीजन में ये अबतक की सबसे तेज आंधी थी।

कुछ दिन की राहत के बाद दिन का तापमान फिर से 40 डिग्री पर आ गया। खजुराहो और दमोह सबसे गर्म रहे। बड़े शहरों में ग्वालियर में पारा 39.1 डिग्री पर पहुंच गया। भोपाल में 37.2 डिग्री, इंदौर में 35.5 डिग्री, उज्जैन में 36.5 डिग्री और जबलपुर में 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रीवा, सागर, सतना, उमरिया, सीधी, खंडवा और मंडला में तापमान 39 डिग्री के पार रहा। इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी में तापमान सबसे कम 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। रायसेन में यह 34 डिग्री रहा

अशोकनगर: आंधी के साथ बारिश, ओले गिरे रविवार शाम 4 बजे से जिले भर में एक बार फिर से तेज आंधी चली, बारिश हुई और कुछ जगहों पर ओले भी गिरे। लगभग एक घंटे तक ये दौर चला। आंधी के कारण कई स्थानों पर टीन शेड उड़ गए, जबकि कुछ जगह पेड़ उखड़े हैं। सीजन में ये अबतक की सबसे तेज आंधी थी।

खरगोन: रुक-रुक कर 1 घंटा बारिश, पारा गिरा: खरगोन में रविवार को दिन भर की उमस के बाद दोपहर 3:15 बजे बाद अचानक मौसम बदला। तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई। सड़कों पर पानी बहने लगा। रुक-रुककर करीब 1 घंटा तेज बारिश हुई। भीकनगांव में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। बीते 24 घंटे में 2 डिग्री अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज हुई। अधिकतम तापमान 34 डिग्री के आसपास आ गया है।

कई जिलों में बारिश, तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचा: शनिवार को कई जिलों में मौसम बदला रहा। ग्वालियर में शाम को रिमझिम बारिश हुई। जबकि मंडला में दोपहर 3 बजे के करीब तेज बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। भोपाल में दिनभर बादल छाए रहे। वहीं, इंदौर-उज्जैन समेत कई जिलों में भी ऐसा ही मौसम रहा।।

राज्यपाल पटेल शिल्प ग्राम महोत्सव समापन कार्यक्रम में शामिल हुए

जनजातीय कला और शिल्प हमारी लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर : राज्यपाल पटेल

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय द्वारा सदियों से संरक्षित खान-पान, लोक कलाएं, शिल्प, वस्त्र, आभूषण, उपकरण और चिकित्सा पद्धतियां सभी हमारी अनमोल धरोहर है। हमारी इस लोक संस्कृति का संरक्षण और प्रोत्साहन समाज का दायित्व है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित मौलिक, स्वाभाविक, कला, शिल्प और संस्कृति की सृजनशीलता को निखार कर व्यवसायिक बनाने के प्रयासों की सराहना की है।

राज्यपाल श्री पटेल तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन कार्यक्रम को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। महोत्सव का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वन्या प्रकाशन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के समन्वय से किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने समापन कार्यक्रम के पूर्व सभागार में उपस्थित कलाकारों के पास पहुंचे और समक्ष में उनसे चर्चा की। कार्यक्रम में राज्यपाल को बैतूल जिले के शिल्पकारों की बेल मेटल से बनी जनजातीय कलाकृति स्मृति प्रतीक के रूप में और महोत्सव के प्रशिक्षणार्थी शिल्पियों, कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों का सेट भेंट किए गए। राज्यपाल का वरिष्ठ गोंड कलाकार श्री आनंद श्याम ने पारंपरिक गोंड परंपरा के अनुसार साफा और बीरन माला से स्वागत किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय को सक्षम बना कर उनके विकास और खुशहाली के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।पूरे देश में जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों के सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर को उठाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और आजीविका के कार्य %धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान% के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की अति पिछ?ी जनजातियों जिनमें राज्य के बैगा, भारिया, सहरिया जनजातीय समुदाय शामिल

हैं, उनके लिए जनमन योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजाति समुदाय की आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल को वर्ष 2047 तक समाप्त करने का संकल्प किया है। संकल्प की सफलता के लिए सरकार और समाज को मिलकर आगे आना होगा। राज्य सरकार द्वारा अभियान के रूप में कार्यवाही करते हुए प्रदेश की 1 करो? 6 लाख जनजातीय बहनों-भाईयों की स्क्रीनिंग कर ली है। स्क्रीनिंग में 2 लाख 6 हजार से अधिक वाहक और 28 हजार से अधिक रोगी मिले है। सभी को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। सिकल सेल की गर्भावस्था में और प्रसूति के 72 घन्टों के भीतर नवजात की जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी गई है। वर्ष 2047 तक रोग उन्मूलन के लिए समुदाय को दो बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। पहली, हर गर्भवती महिला की गर्भावस्था में और नवजात शिशु की 72 घन्टों के भीतर जांच हो जाए। दूसरी, जेनेटिक कार्ड मिलाकर ही विवाह संबंध तय किए जाए। किसी एक के रोगी, वाहक होने पर विवाह किया जा सकता है, किन्तु रोगी युवक-युवती का आपस में विवाह नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय समुदाय के गौरव रानी दुर्गावती और बिरसा मुण्डा का संदर्भ देते हुए कहा कि समुदाय को उनके गौरव से प्रेरणा लेकर आगे ब?ने के प्रयास करने होंगे। शिक्षा प्रगति की पहली सी?ी होती है। संतान को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाएं। सरकार द्वारा शिक्षा के लिए समुदाय को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने जनजातीय समुदाय विशेषकर युवाओं को सामाजिक कुरीतियों के प्रति आगाह किया, कहा कि प्रगति के लिए प्राथमिक आवश्यकता व्यसनों से दूर रहना है।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि देश में पहली बार मध्यप्रदेश ने जनजातीय कला-शिल्प, संस्कृति-सभ्यता, रीति-रिवाज और मान्यताओं-परंपराओं के संरक्षण और भावी पीढ़ी में हस्तांतरण की सार्थक पहल की है। शीघ्र ही हरसूद में 100 सीटर बालिका-बालक प्रशिक्षण केन्द्र प्रारंभ किया जाएगा। केन्द्र में जनजातीय समुदाय के शिल्पकार, कलाकारों द्वारा जनजातीय संस्कृति और सभ्यता के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल श्री पटेल ने उनको बताया है कि कला का सम्मान समाज का दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्यपाल महोदय की भावना के अनुसार निर्माणाधीन प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रशिक्षक कलाकारों को सम्मान जनक मानदेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की मोहन सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की खुशहाली के कार्यों में कोई कोर-कसर छोड़ी नहीं जाएंगी। आयुक्त जनजातीय कार्य एवं प्रबंध संचालक वन्या प्रकाशन श्री श्रीमन शुक्ला ने महोत्सव की जानकारी देते हुए बताया कि परंपरा को डिजाइन का साथ मिलता है तो वह आजीविका और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन जाता है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान विशेषज्ञों द्वारा जनजातीय कलाकारों को तकनीकी ज्ञान देने के साथ ही जनजातीय शिल्प, कौशल व्यंजन परंपरा की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। समापन कार्यक्रम में गोंड चित्र कलाकार श्री गगन सिंह मरावी, गौंड चित्रकार एवं नृत्यांगना श्रीमती संदीप्ती परस्ते ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया।

त्रिशला शर्मा ने गणित विषय से 12 वीं में 91 प्रतिशत अंक लाकर किया स्कूल का नाम रोशन

गुना। पंडित हितेश शर्मा ज्योतिषाचार्य की बेटी त्रिशला शर्मा ने गणित विषय से12वीं मैं 91प्रतिशत बनाकर गुना पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल कैंट गुना में प्रथम स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों ने त्रिशला शर्मा को सफल होने पर बधाई दी है।

शूटिंग में ओवरऑल दूसरा स्थान, हॉकी में भी किया जबरदस्त प्रदर्शन

भोपाल। बिहार में 4 मई से शुरू हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन लगातार जारी है। शनिवार को प्रदेश को शॉट गन शूटिंग में एक और कांस्य पदक मिला, जिसके साथ मध्यप्रदेश की कुल पदकों की संख्या 20 हो गई है। वर्तमान में प्रदेश 9 स्वर्ण, 5 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ चौथे स्थान पर बना हुआ है।

शूटिंग में ओवरऑल द्वितीय स्थान: खेल अकादमी की ओशिम श्रीवास ने स्कीट शूटिंग (महिला वर्ग) में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। अब तक शूटिंग में मध्यप्रदेश को 2 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 7 पदक मिल चुके हैं। इस प्रदर्शन के दम पर प्रदेश ने शूटिंग खेल में ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया है।

हिमाचल को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचीं बेटियां: महिला हॉकी में भी मध्यप्रदेश की बेटियों ने दमदार खेल दिखाया। शनिवार को खेले गए लीग मुकाबले में म.प्र. की महिला टीम ने हिमाचल प्रदेश को 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ टीम ने अपने पूल में टॉप पोजिशन हासिल करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को दी बधाई: प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी पदक विजेताओं को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी देशभर में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। यह पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। बता दें कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन 15 मई तक चलेगा।

राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने भारत मां के जयकारे के साथ सफाई करते हुए किया सेना का उत्साहवर्धन

राजगढ़। सारंगपुर विधानसभा में मॉर्निंग वॉक के दौरान प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेटवाल ने झाड़ू थामकर एवं नगरीय निकाय कर्मचारियों के साथ सफाई करते हुए भारत मां के जयकारे से सेना का उत्साहवर्धन बढ़ाया। साथ ही वंदे मातरम् नारे के साथ साफ-सफाई की। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है। सभी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी स्वच्छता पर ध्यान दे रहे हैं और जो जहां है वहां से सेना का उत्साह वर्धन कर सकता है।।

पूनम श्रीवास्तवअंक ज्योतिषी और पूजा दुबे टैरो कार्ड रीडर का हुआ ज्योतिष सम्मान से सम्मानित

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

भोपाल।पराशक्ति एस्ट्रो वास्तु अवेयरनेस सोसायटी के सौजन्य से विक्रमादित्य कॉलेज रातीबड़ भोपाल के डायरेक्टर आदित्य नरवरिया द्वारा पूनम श्रीवास्तव अंक ज्योतिषी पूजा दुबे टैरो कार्ड रीडर को ज्योतिष सम्मान से सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में भोपाल शहर के सुप्रसिद्ध ज्योतिष,आचार्य एवं अनेक विद्वान उपस्थित थे माननीय विधायक रामेश्वर शर्मा जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे समिति के संस्थापक एन.के. व्यास एवं रजक जी द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और भ्रांतियां को दूर करना था भारत माता के सपूतों को प्रोत्साहित करना जो सीमा पर लड़ रहे हैं।पहलगाम की दुर्घटना में जान गंवाने वाले पर्यटकों को श्रद्धांजलि देना था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेसीडेंसी कोठी परिसर में किया भूमि-पूजन

भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इंदौर में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए गेस्ट हाउस बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेसीडेन्सी कोठी परिसर इंदौर में गेस्ट हाउस का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री जे. के. माहेश्वरी, न्यायमूर्ति श्री एस.सी.शर्मा, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत, उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति एवं निर्माण समिति के चेयरमैन श्री संजीव सचदेवा मौजूद रहे। शिलान्यास समारोह में उच्च न्यायालय के एडमिनिस्ट्रेटिव जज श्री विवेक रुसिया,उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल श्री धर्मेन्द्र सिंह, न्यायामूर्ति श्री आनंद पाठक सहित उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति एवं एडवोकेट विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला,श्री सुमित मिश्रा, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एक्सीडेंट में बैंककर्मी की मौत का मामला

कोर्ट ने मृतक के परिवार को 83 लाख का मुआवजा देने के आदेश जारी किए

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

भोपाल के रातीबढ़ इलाके में दो साल पहले सड़क हादसे में बैंककर्मी रोहित ठाकुर की मौत हो गई थी। परिजनों की ओर से मुआवजा के लिए कोर्ट में केस फाइल किया गया था। कोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनी को मृतक के परिजनों को 83 लाख रुपए की मुआवजा राशि देने के आदेश किए हैं। बता दें कि हादसा ऑटो की टक्कर के बाद हुआ था। घटना के समय रोहित निजी काम से रातीबढ़ से भदभदा की ओर जा रहा था।

रोहित ठाकुर 4 जून 2023 को भदभदा से नीलब? जाने के लिए निकला था। भदभदा चौकी से सूरज नगर की ओर जाने वाली स?क पर ऑटो क्रमांक स्क्क04-त्रक्क6065 ने पीछे से रोहित की बाइक को जोरदार टक्कर मारी। हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान हमीदिया अस्पताल में अगले दिन मौत हो गई थी। इस मामले का मर्ग रातीबढ़ थाने में कायम किया गया था।

30 हजार रुपए महीना कमाता था युवक

कोर्ट के मुताबिक रोहित एक्सीडेंट से पहले स्वस्थ्य था। एक सरकारी बैंक का चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी था और 30 हजार रुपए प्रति महीना कमाया करता था। इस कमाई से अपने परिवार का भरण पोषण करता था। लिहाजा उसकी मौत के बाद परिवार की ओर से क्लेम दिलाने का आवेदन कोर्ट में पेश किया गया था। इस पर स्वयं प्रकाश दुबे 21 वें सदस्य मोटर दुर्घटना अधिकरण ने मृतक के परिवार को 83 लाख रुपए का मुआवजा देने के आदेश बीमा कंपनी को दिए हैं।

प्रदेश में गत वर्ष हुआ था 48.38 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन

77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जन -गोविंद सिंह राजपूत

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

मध्यप्रदेश की धरती एक बार फिर अन्नदाता किसानों की मेहनत से स्वर्णिम हो उठी है। प्रदेश में इस बार गेहूँ उपार्जन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा घोषित प्रोत्साहन राशि ने किसानों के मन में आश्वस्ति, आत्मविश्वास और प्रोत्साहन का संचार किया है। इसी का परिणाम है कि इस वर्ष प्रदेश में 77 लाख 74 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का रिकॉर्ड उपार्जन हुआ है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 29.36 लाख मीट्रिक टन अधिक है। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष प्रदेश के लगभग 9 लाख किसानों ने समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेची है। यह प्रदेश सरकार की किसान-मित्र नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

प्रोत्साहन राशि बनी किसानों की उम्मीद की किरण, मप्र में रिकॉर्ड

गेहूँ की खरीदी दर में अभूतपूर्व वृद्धि :

केंद्र सरकार ने इस वर्ष गेहूँ के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया था, जिसके ऊपर राज्य सरकार ने 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस प्रदान कर किसानों को कुल 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर भुगतान सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के इस निर्णय ने किसानों को समर्थन मूल्य केंद्रों की ओर आकर्षित किया और उन्होंने खुले मन से सरकार को अपनी उपज बेची।

भंडारण और भुगतान व्यवस्था बनी मिसाल :

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अब तक उपार्जित गेहूँ में से 73 लाख 51 हजार मीट्रिक टन से अधिक का सुरक्षित भंडारण राज्य सरकार द्वारा किया जा चुका है। इसके साथ ही किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान भी प्राथमिकता से किया जा रहा है। अब तक किसानों के खातों में 17 हजार 870 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है, जो इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार ने केवल उपज ही नहीं ली, बल्कि किसानों को उसका मूल्य भी सम्मानपूर्वक दिया।

कृषि को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने की दिशा में बड़ा कदम

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने कृषि को केवल एक आजीविका नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला माना है। बोनस योजना जैसे निर्णय किसानों के प्रति राज्य सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, यह केवल गेहूँ उपार्जन नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत और सरकार के विश्वास का फल है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि खेती-किसानी में अग्रणी भूमिका निभाने वाले मध्यप्रदेश ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सरकार की नीयत स्पष्ट हो तो कृषि क्षेत्र में कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। आज गेहूँ उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है, यह हर मध्यप्रदेशवासी के लिए गर्व का विषय है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद अशोकनगर (म.प्र.)

Email :- cmoashoknagar@mpurban.gov.in Ph No 07543-222811

कमांक/तकनीकि/2025/1719 अशोकनगर दिनांक :-07/05/2025

•• निविदा आमंत्रण सूचना ••

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत पणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (LAKHS)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2025_UAD_422027_1 08/05/2025	बीज निगम के पीछे दुकान निर्माण कार्य।	1 03 माह 2 10.62 लाख	1 2000/- 2 10620/-	09/06/2025

निविदा से संबधित किसी भी प्रकार के संशोधन ऑनलाईन वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद अशोकनगर

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578